mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-74 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
17 मार्च 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अनंत सिंह बोले- मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा,बिना नीतीश के लड़ने से मतलब नहीं

तेजस्वी का नाम लेने पर भड़के, कहा- किसका नाम ले लिया

पटना, एजेंसी। बाहुबली अनंत सिंह ने सोमवार को विधानसभा के बाहर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। अनंत सिंह से पूछ गया कि अगला सीएम कौन होगा। इस पर उन्होंने कहा कि नीतीश जी तय करेंगे। बिना नीतीश के चुनाव लड़के के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश नहीं रहेंगे तो मैं भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। निशांत और तेजस्वी में से आपको कौन अच्छा लगता है। इस सवाल के जवाब को अनंत सिंह टाल गए। अनंत सिंह ने ये भी दावा किया कि मैं 1 महीने में जेल से छूट जाऊंगा। असली अपराधी पकड़ा जाएगा। अनंत सिंह सोमवार को बेऊर जेल से राज्यसभा चुनाव के लिए वोट डालने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने NDA के पांचों कैंडिडेट्स की जीत का भी दावा किया।

ऑपरेशन सिंदूर टिप्पणी मामले में प्रोफेसर अली खान को राहत, हरियाणा सरकार ने बंद किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे अशोका यूनिवर्सिटी के इतिहास के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बड़ी राहत मिलती नजर आ रही है। हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में आगे अभियोजन की अनुमति नहीं देगी और इसे एक बार की उदारता मानते हुए कार्रवाई बंद करने का फैसला किया है। सरकार के इस रुख के बाद यह मामला अब लगभग खत्म होता दिखाई दे रहा है। कोर्ट में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्रोफे सर अली खान के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे एक बार की उदारता (वन-टाइम मैग्नैनिमिटी) बताते हुए आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर आरोप था कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर टिप्पणी की थी। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की वह जवाबी कार्रवाई थी जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई थी।

ओडिशा के कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा आईसीयू में भीषण आग, 10 मरीजों की मौत

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने न्यायिक जांच के दिए निर्देश

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में सोमवार तड़के ट्रॉमा केयर आईसीयू में भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई। कई अन्य मरीज गंभीर रूप से झुलस गए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, आग सुबह करीब 2:30 बजे पहली मंजिल पर लगी। आशंका है कि बिजली का शॉर्ट सर्किट कारण हो सकता है, हालांकि आग का वास्तविक कारण जांच में पता चलेगा।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी तुरंत घटनास्थल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस हादसे की न्यायिक जांच के निर्देश दिए हैं ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अन्य मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर उनका उपचार जारी रखा जाए।इस घटना में मृतकों के निकट संबंधियों के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 25-25 लाख रुपये की अनुकंपा सहायता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने चिकित्सा विभाग और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि आईसीयू से स्थानांतरित किए गए सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस घटना को गंभीरता से लेते हुए हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास फ्यूल टैंक पर हमला,कई उड़ानें डायवर्ट

ट्रम्प बोले- NATO होर्मुज खुला रखने में मदद करे, नहीं तो बुरा होगा

तेल अवीव/ तेहरान,एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 17वां दिन है। आज सुबह दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। इससे पहले भी जंग के दौरान यहां हमला हो चुका है। हमले के कारण कुछ उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

वहीं, ट्रम्प ने रविवार को NATO देशों को धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते हैं तो NATO का भविष्य बहुत खराब हो सकता है।

ट्रम्प ने कहा, 'हमारे पास NATO नाम की एक व्यवस्था है। हम उनके साथ बहुत अच्छे रहे हैं। हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की जरूरत नहीं थी। फिर भी हमने उनकी मदद की। अब देखना है कि क्या वे हमारी मदद करते हैं।' दरअसल, ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने वाले देशों से इस रास्ते का रक्षा करने के लिए वॉरशिप और जरूरी मदद भेजने की मांग की थी। दुनियाभर का 20% तेल इसी रूट से गुजरता है।

ईरान ने इजराइल पर 'सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल' दागी

ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि इजराइल के सैन्य और डिफेंस फैसिलिटी को निशाना बनाया गया है। यह सॉलिड फ्यूल वाली स्ट्रैटेजिक मिसाइल है, जो 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। द नेशनल इंटरेस्ट पत्रिका के अनुसार, इस मिसाइल की पहुंच मिस्र, सूडान के कुछ हिस्सों, यूक्रेन के बड़े हिस्से, दक्षिणी रूस, पश्चिमी चीन, भारत और हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बड़े क्षेत्रों तक हो सकती है।

जंग के बीच UAE में 19 भारतीय गिरफ्तार, फेक न्यूज फैलाने का आरोप

जंग के बीच UAE ने 35 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया, जिनमें 19 भारतीय हैं। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक इन पर सोशल मीडिया पर फेक वीडियो और जानकारी फैलाने का आरोप है। UAE के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने बताया कि यह कदम डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के बाद उठाया गया है, ताकि झूठी जानकारी फैलाकर अशांति या डर फैलाने से रोका जा सके।

पीएम मोदी बोले— स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव निजी स्वार्थ से प्रेरित

- ओम बिरला ने सांसदों को लिखा पत्र, संसद में बैनर-प्लेकार्ड और आचरण पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को निजी स्वार्थ से प्रेरित बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पीकर बिरला को लिखे एक पत्र में कहा कि कुछ लोग लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने संकीर्ण दायरे में सीमित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह पत्र उस प्रस्ताव के खारिज होने के कुछ दिन बाद सामने आया है, जिसे कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए पेश किया था। 11 मार्च को सदन में ध्वनिमत से यह प्रस्ताव खारिज हो गया था। विपक्ष के 119 सांसदों ने आरोप लगाया था कि लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपात कर रहे हैं और विपक्ष को बोलने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा। अपने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रस्ताव गिरने के बाद स्पीकर का वक्तव्य लोकतांत्रिक मर्यादा की संतुलित और गहरी व्याख्या था। उन्होंने लिखा कि लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले नागरिकों ने भी महसूस किया कि इस प्रस्ताव के पीछे निजी स्वार्थ और अहंकार की भावना काम कर रही थी। इधर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सभी सांसदों को एक पत्र लिखकर संसद की गरिमा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संसद में उठने वाली हर आवाज देश के 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

डाक विभाग आज से शुरू करेगा '24 स्पीड पोस्ट' सेवा, छह बड़े शहरों में अगले दिन पार्सल डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डाक विभाग की '24 स्पीड पोस्ट' सेवा का मंगलवार, 17 मार्च को शुभारंभ करेंगे। इसके तहत जरूरी पार्सल अगले दिन पहुंचाने का वादा किया गया है। प्रथम चरण में यह सेवा देश के छह बड़े शहरों में शुरू की जाएगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के तहत अत्यावश्यक और समयबद्ध पार्सल की अगले दिन गारंटीकृत डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी मौजूद रहेंगे। सरकार के मुताबिक यह सेवा पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। साथ ही '24' और '48 स्पीड पोस्ट' सेवाएं क्रमशः डी+1 (डिस्पैच के अलगे दिन डिलेवरी) और डी+2 (डिस्पैच के दो दिन में डिलिवरी) डिलीवरी टाइमलाइन सुनिश्चित करेंगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाली हवाई ट्रांसमिशन व्यवस्था के जरिए सक्षम बनाया गया है। नई सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ एसएमएस अलर्ट, बिजनेस ग्राहकों के लिए बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यदि डिलीवरी में देरी होती है तो ग्राहकों को मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।

थोक महंगाई 12 महीने में सबसे ज्यादा,फरवरी में ये 2.13% पर पहुंची

- खाने-पीने की चीजें और रोजाना जरूरत का सामान महंगा हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी। फरवरी में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 2.13% पर पहुंच गई है। ये महंगाई का 12 महीने का हाई लेवल है। फरवरी 2025 में ये 2.38% पर पहुंच गई थी।

इससे पहले जनवरी 2026 में थोक महंगाई 1.81% पर थी। वहीं दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 मार्च को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं।

इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुई : रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 2.21% से बढ़कर 3.27 हो गई।

खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 1.41% से बढ़कर 1.85% हो गई।

फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 4.01% से बढ़कर माइनस 3.78 हुई।

मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.86% से बढ़कर 2.92% रही।

होलसेल महंगाई के 4 हिस्से : प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

- फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां
- नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं
- मिनरल्स
- क्रूड पेट्रोलियम
- फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंची

फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंच गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, फंसे वाहनों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया गया

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर के अधिकांश ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जिससे कुछ हिस्सों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुआ है। सिंथन टॉप पर भारी बर्फबारी के बाद कई वाहन फंस गए, जिसके बाद पुलिस और सेना ने फंसे हुए 214 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को निकालने के लिए रविवार रात बचाव अभियान चलाया।

अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग, मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के दूधपथरी और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग के पर्यटक रिसॉर्ट्स में मध्यम बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मुगल रोड पर पीर की गली, जोजिला अक्ष, उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में गुरेज, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में साधना टॉप और दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग को जम्मू क्षेत्र में किश्तवार से जोड़ने वाले सिंथन टॉप सहित ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है।

उन्होंने बताया कि साधना टॉप पर 12 इंच से अधिक ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि सिंथन टॉप

पर लगभग छह इंच बर्फबारी हुई है। अधिकारियों ने कहा कि बर्फबारी के कारण घाटी में महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बंद हो गए हैं, जिनमें गुरेज-बांदीपुरा रोड, सिंथन-किश्तवाड़ रोड और कश्मीर घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली वैकल्पिक सड़क मुगल रोड शामिल है। उन्होंने कहा कि जोजिला दर्रे पर बर्फ जमा होने के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही भी निलंबित कर दी गई है।श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जो सोमवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। श्रीनगर शहर में पिछले 24 घंटों में 15.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। पहलगाम पर्यटन स्थल, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक है में 15.7 मिमी बारिश हुई। खराब मौसम के कारण पूरी घाटी में तापमान में गिरावट आई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर शहर का अधिकतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री कम था घाटी के अन्य मौसम केंद्रों में भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। कम तापमान ने पिछले कुछ हफ्तों में घाटी में प्रचलित असामान्य रूप से उच्च दिन के तापमान की प्रवृत्ति को तोड़ दिया।

मौसम विभाग ने 20 मार्च तक मौसम के अनियमित रहने का अनुमान जताया है इसमें कहा गया है कि सोमवार और मंगलवार को ऊंचे इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है।

राज्यसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा:

खड़गे बोले- सरकार को पहले से पता था, इंतजाम क्यों नहीं किया; लोकसभा में बिना हंगामे के प्रश्नकाल पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट सत्र के दूसरे फेज में सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में रसोई सिलेंडर के संकट को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया कि रसोई की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते।

इस पर भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस आपदा में भी राजनीति कर रही है। इसके बाद भी खड़गे ने बोलना जारी रखा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता जवाब नहीं सुनते है।

लोकसभा में बिना हंगामे के प्रश्नकाल पूरा हुआ : लोकसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कुछ विपक्षी सांसदों ने अपने मुद्दे तुरंत उठाने की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल खत्म होने के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा।

प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदे के सवालों के जवाब दिए। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर रंजन गोगोई को विदाई दी गई। 9 मार्च से शुरू हुए बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के कारण सुबह 11 बजे से 12 बजे तक होने वाला प्रश्नकाल पूरा नहीं हो पा रहा था।

लोकसभा में सरकार बोली- देश में स्वरोजगार बढ़कर 58% हुआ

सरकार ने कहा है कि देश में स्वरोजगार करने वालों की हिस्सेदारी बढ़कर 58% हो गई है, जो 2017-18 में 52% थी। लोक सभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ श्रमिकों की आय भी बढ़ रही है।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटाया

- कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले; आयोग बोला- ये अफसर चुनाव से दूर रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

ईसी ने कहा- चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद लिया फैसला : चुनाव आयोग ने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद वह लगातार प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में यह फैसला लिया गया है। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं।

चुनाव आचार संहिता लागू होते ही निर्वाचन आयोग का बड़ा एक्शन, बंगाल के मुख्य सचिव और गृह सचिव को पद से हटाया

कोलकाता, एजेंसी। विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद बंगाल में शनिवार शाम चुनाव आचार संहिता लागू होने के कुछ ही घंटों के भीतर निर्वाचन आयोग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के दो शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों- मुख्य सचिव और गृह सचिव को देर रात उनके पद से हटा दिया। चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव पद से नंदिनी चक्रवर्ती को हटाकर उनकी जगह दुष्यंत नरियाला (आइएएस- 1993 बैच) को बंगाल का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। वहीं, संघमित्रा घोष (आइएएस- 1997 बैच) को राज्य के गृह व पर्वतीय मामले विभाग का नया प्रधान सचिव बनाया गया है। ये दोनों नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दोनों अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से पदभार संभालने का निर्देश दिया है।

आयोग ने अपने पत्र में कहा है कि इन निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए और राज्य सरकार से उपर्युक्त अधिकारियों के ज्वाइन करने के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट सोमवार दोपहर तीन बजे तक भेजने का निर्देश दिया है।

इसके अतिरिक्त, जिन अधिकारियों को हटाया या तबादला किया गया है, उन्हें चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से संबंधित पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार यह फैसला चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। चुनाव की घोषणा के महज कुछ ही घंटों के भीतर राज्य के दो शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को पदक से अचानक हटाने का निर्वाचन आयोग का यह फैसला अपने आप में अभूतपूर्व है।

चुनाव आयोग आमतौर पर चुनावों के दौरान प्रशासनिक ढांचे में ऐसे बदलाव करता है ताकि सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रहकर किया जा सके। मालूम हो कि शाम में बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है और इसी के बाद आयोग ने यह त्वरित कार्रवाई की है।

बताते चलें कि पद से हटाई गई 1994 बैच की आइएएस अधिकारी नंदिनी चक्रवर्ती करीब ढाई माह पहले ही राज्य की प्रथम महिला मुख्य सचिव बनीं थीं। 31 दिसंबर 2025 को राज्य के मुख्य सचिव पद से डॉ. मनोज पंत के सेवानिवृत्त होने के बाद नंदिनी चक्रवर्ती को उनकी जगह नियुक्त किया गया था। राज्य में पहली बार किसी महिला आइएएस अधिकारी को मुख्य सचिव का पदभार सौंपा गया था।

नंदिनी के मुख्य सचिव बनने पर उसी दिन जगदीश प्रसाद मीणा को उनकी जगह राज्य का गृह सचिव बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि नंदिनी चक्रवर्ती, इससे पहले राज्य के कई विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुकी हैं। हालांकि, कुछ साल पहले राजभवन में राज्यपाल का प्रधान सचिव रहने के दौरान उनको लेकर एक विवाद भी पैदा हुआ था। इसके बाद राज्य सचिवालय ने नंदिनी चक्रवर्ती को वहां से हटा कर पर्यटन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया था। इसके बाद दिसंबर 2023 में नंदिनी चक्रवर्ती को राज्य का गृह सचिव नियुक्त किया गया था।

गैस लीकेज में बीड़ी जलाने से बदरपुर में लगी आग

छत पर बने वॉशरूम में फंसी रह गई बुजुर्ग महिला की मौत

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। बदरपुर विधानसभा स्थित मोलरबंद इलाके में शनिवार शाम एक घर में अचानक आग लग गई। हादसे में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की झुलसने के चलते मौत हो गई। मृतका की पहचान 65 वर्षीय वीनू सिंह के रूप में हुई है। बदरपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने संबंधित धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच के अनुसार बताया जा रहा है कि घर में लगी गैस की पाइपलाइन में लीकेज के चलते यह हादसा हुआ है। पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम एक घर में आग लगने की सूचना मिली। बदरपुर थाना पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। जहां पता चला कि बुजुर्ग महिला वीनू सिंह घर की छत पर बने वाशरूम में गई थीं। उसी दौरान अचानक भीतर आग भड़क उठी और वह उसकी चपेट में आ गई। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया।

शोर सुन स्वजन पहुंचे और उन्हें बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्वजन का आरोप है कि करीब दो महीने पहले ही घर में गैस पाइपलाइन का नया कनेक्शन लगाया गया। पाइपलाइन में कहीं लीकेज था, जिससे गैस रिसाव हो रहा था और वाशरूम में जमा था। हालांकि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी और गैस की गंध भी महसूस नहीं हुई। परिजनों के मुताबिक वीनू सिंह को बीड़ी पीने की आदत थी। उन्होंने बीड़ी जलाने के लिए जैसे ही माचिस जलाई, गैस के संपर्क में आते ही अचानक तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती जांच में आग लगने की वजह गैस लीकेज होने की आशंका है, हालांकि सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। साथ ही गैस पाइपलाइन की स्थिति और सुरक्षा मानकों की भी जांच की जाएगी।

हिमाचल में बिजली की नई दरों का प्रारूप तैयार, तय हो गया कब होगा एलान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बिजली की नई दरों को लेकर फैसला इसी सप्ताह आने की संभावना है। राज्य बिजली बोर्ड की ओर से दायर बिजली दरों में बढ़ोतरी की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। अब नियामक आयोग नई दरों की घोषणा की तैयारी में है। उम्मीद है कि आने वाले तीन से चार दिनों में नए टैरिफ का एलान किया जा सकता है। नई दरें पहली अप्रैल से प्रभावी किया जाना प्रस्तावित है। 22 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं की नजर अब आयोग के फैसले पर टिकी हुई है। राज्य बिजली बोर्ड ने अपने बढ़ते खर्च को देखते हुए बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। बोर्ड ने आयोग के समक्ष दायर याचिका में घरेलू और अन्य श्रेणियों के लिए बिजली की दरों में 7 पैसे से लेकर 30 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी की मांग की है। बिजली बोर्ड का तर्क है कि सरकार की ओर से मिलने वाली फ्री बिजली के बंद होने के बाद बिजली की सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए बोर्ड

आपकी जेब पर कितना बोझ पड़ेगा

को बिजली खरीदनी पड़ेगी। इससे बोर्ड का खर्च बढ़ रहा है, इसे पूरा करने के लिए दरों में बढ़ोतरी की जानी प्रस्तावित है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली बोर्ड की याचिका पर तीन बार सुनवाई की है। इसके अलावा आयोग ने सभी पक्षों के साथ एक खुला संवाद भी शिमला में किया था। इसमें औद्योगिक, घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर व्यवसायिक उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों को अपनी बात रखी है। सभी सुझावों और आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने नई बिजली दरों का प्रारूप तैयार कर लिया है। अब अंतिम औपचारिक घोषणा की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। नियमों के तहत जब भी बिजली बोर्ड टैरिफ बढ़ाने या संशोधित करने के लिए याचिका दायर करता है, तो नियामक आयोग को 120 दिनों के भीतर उस पर फैसला सुनाना होता है। नई बिजली दरों को आगामी वित्तीय वर्ष से लागू किया जाना प्रस्तावित है। यदि इस सप्ताह घोषणा हो जाती है तो 1 अप्रैल से प्रदेशभर में संशोधित बिजली दरें प्रभावी हो जाएंगी।

पेरू में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की सड़क हादसे में मौत

तेल आपूर्ति पर बड़ा बयान

लीमा, एजेंसी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि राजधानी लीमा से 430 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित पिलपिचाका शहर के ग्रामीण इलाके में बेसेरा का वाहन सड़क से उतर गया। मेयर बल्विन हुआमानी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उम्मीदवार की कार में सवार तीन यात्री घायल हो गए। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने रविवार को कहा कि एशिया और ओशिनिया में उसके सदस्य देश तेल के आपातकालीन भंडार को तत्काल जारी करने की योजना बना रहे हैं और यूरोप और अमेरिका के भंडार मार्च के अंत से उपलब्ध कराए जाएंगे। एक बयान में कहा गया है, 'यह आपातकालीन सामूहिक कार्रवाई, जो अब तक की सबसे बड़ी है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: तेल संकट के बीच बढ़ेगा वैश्विक टकराव

ट्रंप ने होर्मुज पर सात देशों से क्यों मांगी मदद

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने करीब सात देशों से युद्धपोत भेजकर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की मांग की है। हालांकि अब तक किसी भी देश ने इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह समुद्री मार्ग उन देशों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है जो पश्चिम एशिया से तेल आयात करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन देशों से कह रहा हूं कि वे खुद अपने क्षेत्र की सुरक्षा करें, क्योंकि यह उनके लिए ज्यादा जरूरी है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है।

आमतौर पर दुनिया के कुल कारोबार वाले तेल का लगभग पांचवां

हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। युद्ध के कारण इस रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और तेल की कीमतें भी तेजी से ऊपर जा रही हैं।

अमेरिका को होर्मुज की उतनी जरूरत नहीं- ट्रंप : ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस रास्ते की उतनी जरूरत नहीं है क्योंकि उसके पास खुद के तेल के स्रोत हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन को लगभग 90% तेल इसी मार्ग से मिलता है, जबकि अमेरिका को बहुत कम तेल यहां से आता है। बता दें कि ट्रंप पहले ही कई देशों से इस मिशन में शामिल होने की अपील कर चुके हैं। इनमें चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन है। हालांकि इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने ट्रंप से बातचीत में कहा कि वैश्विक शिपिंग को सुरक्षित बनाने के लिए इस समुद्री मार्ग को फिर से सामान्य करना जरूरी है, लेकिन अभी तक ब्रिटेन ने अपने युद्धपोत भेजने का फैसला नहीं किया है।

अब समझिए ईरान का स्टैंड : हालांकि इन सभी दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि कई देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए तेहरान से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि कुछ देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति भी दी गई है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए। ईरान का कहना है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नहीं।

'न युद्धविराम की मांग न ही बातचीत की' : ईरान ने खारिज किया अमेरिकी दावा, भड़के ट्रंप बोले- झूठी खबरें फैला रहा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान युद्धविराम चाहता है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने न तो कभी सीजफायर मांगा है और न ही किसी तरह की बातचीत की मांग की है।

अराघची ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि ईरान तब तक अपनी रक्षा करता रहेगा जब तक जरूरत होगी। अमेरिकी मीडिया संगठन सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक कि अमेरिका इस युद्ध को गैरकानूनी मानकर अपना रुख नहीं बदलता। उन्होंने कहा फिर से इस बात को

दोहराया कि हमने कभी सीजफायर नहीं मांगा और न ही बातचीत की मांग की है। हम जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं।

ईरान फैला रहा झूठी खबरें- ट्रंप: इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के विदेश मंत्री की तरफ से उनके बयान को खारिज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान जनता को सच्चाई नहीं बता रहा और गलत जानकारी फैला रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सच्चाई सामने रखी है, जबकि ईरान झूठी खबरें फैला रहा है। उनके मुताबिक, ईरान ने यह दावा किया था कि उसने अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह जहाज न तो कभी हमले का शिकार हुआ और न ही उसमें आग लगी थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें पहले अंदाजा नहीं था कि ईरान फर्जी खबरें फैलाने के लिए इतना बदनाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान भी ऐसी गलत जानकारियों को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें पता होता है कि वे सच नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर मीडिया जानबूझकर झूठी जानकारी फैलाता है, तो इसके लिए उन्हें गंभीर कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि यह युद्ध अमेरिका ने शुरू किया है और ईरान सिर्फ अपने बचाव में कार्रवाई कर रहा है। उनके अनुसार, जब तक डोनाल्ड ट्रंप को यह समझ नहीं आता कि यह युद्ध जीतने वाला नहीं है, तब तक ईरान अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। अराघची ने यह भी कहा कि अभी अमेरिका से बातचीत करने का कोई कारण नहीं है। उनका कहना था कि जब ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा था, उसी समय अमेरिका ने उस पर हमला कर दिया। इसलिए अब बातचीत का कोई भरोसा नहीं रह गया है। खाड़ी देशों पर हमले का किया बचाव उन्होंने कहा कि हम अमेरिकियों से बात करने का कोई कारण नहीं देखते, क्योंकि जब हम उनसे बात कर रहे थे, उसी समय उन्होंने हम पर हमला करने का फैसला कर लिया। इसके साथ ही ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में किए गए अपने हमलों का भी बचाव किया। अराघची ने कहा कि ईरानी सेना सिर्फ अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सैन्य संसाधनों को निशाना बना रही है, किसी दूसरे देश को नहीं।

ट्रंप ने कहा था- अभी समझौते के लिए तैयार नहीं

गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार को एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका अभी इसके लिए तैयार नहीं है क्योंकि ईरान की ओर से रखी गई शर्तें पर्याप्त नहीं हैं। ट्रंप ने कहा था कि अगर कोई समझौता होता है तो वह बहुत मजबूत और ठोस होना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि अमेरिका किन शर्तों पर समझौता करेगा, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ना पड़ सकता है।

दिल्ली तरुण हत्याकांड: उत्तम नगर में हजारों लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन, न्याय की लगाई गुहार

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर क्षेत्र में होली के दिन चार मार्च को हुई 26 वर्षीय युवक तरुण की हत्या के विरोध में रविवार शाम हस्तसाल स्थित श्रीअयप्पा पार्क, एलआईजी फ्लैट्स क्षेत्र में सर्व हिंदू समाज की ओर से आक्रोश सभा सह श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी। इस सभा में हजारों की संख्या में लोग जुटे और हत्या में शामिल आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी कर उन्हें कठोर दंड देने की मांग उठाई। कार्यक्रम में दिवंगत तरुण के पिता मेमराज, उनकी माता और अन्य स्वजन भी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए तरुण की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि वक्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुए। इनमें योगी महाराज, हिंदू खटीक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष छेल बिहारी किराड़, अखिल भारतीय खटीक फेडरेशन के अध्यक्ष डा नेताराम तंगोला, महामंडलेश्वर कृष्ण शाह द्विवेदी महाराज, सामाजिक-आध्यात्मिक मार्गदर्शक गोपाल कृष्ण, नवाब सिंह और दिल्ली प्रदेश के ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष वीरेंद्र शांडिल्य शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि यह घटना पूरे समाज को झकझोर देने वाली है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए। साथ ही वक्ताओं ने लोगों ने शांति बनाए रखते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में हर संभव मदद करने की अपील की। कहा कि वे परिवार को हर संभव कानूनी से लेकर हर प्रकार की मदद देंगे ताकि परिवार इस सदमें से उबर सके और उन्हें न्याय मिलने में परेशानी न हो।

होली के दिन शुरू हुआ विवाद, रात में हुआ हमला : गौरतलब हो कि 4 मार्च को होली के दिन उत्तम नगर इलाके में एक बच्ची द्वारा फेंके गए पानी के गुब्बारे के छींटे एक महिला पर पड़ जाने के बाद विवाद शुरू हो गया था। इस बात को लेकर महिला और आसपास के लोगों के बीच कहासुनी हुई थी। स्वजनों का आरोप है कि रात में महिला के परिवार और उसके कुछ परिचितों ने मिलकर तरुण खटीक पर हमला कर दिया। पहले उसकी बेरहमी से पिटाई की गई और बाद में उसके सीने पर बड़े पत्थर से वार किया गया। गंभीर रूप से घायल तरुण को अस्पताल ले जाया गया, जहां 5 मार्च की सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था। वैसे मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक दो नाबालिग सिहत 16 को पकड़ चुकी है। पर स्वजनों का कहना है कि हमले में शामिल कई युवक सीसीटीवी कैमरों में नजर आए हैं और उनके नाम भी पुलिस को बताए गए हैं।

दिल्ली में अगर नगर-रानीखेड़ा सड़क का निर्माण शुरू, सिर्फ 15 मिनट में तय होगा एक घंटे का सफर

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में किराड़ी के अगर नगर से रानीखेड़ा डिपो पास करीब एक किलोमीटर तक नई सड़क बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। जिससे आसपास की आधा दर्जन कॉलोनियों में रहने वाले करीब एक लाख लोगों को फायदा मिलेगा। इस सड़क के बनने से लोग आसानी से मुंडका-कराला रोड के अलावा मुंडका, कंझावला सहित आसपास के इलाकों में पहुंच सकेंगे। इस सड़क का निर्माण कार्य करीब तीन महीने में पूरा हो जाएगा। सड़क का निर्माण कार्य अगर नगर (मीठा पानी) के सोम बाजार रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास से रानीखेड़ा डिपो तक शुरू हो गया है। काम शुरू होते ही अगर एन्क्लेव के साथ ही मलबा डालकर सड़क के निर्माण के लिए समतल किया जा रहा है। रानी खेड़ा डिपो तक समतल कर सड़क का निर्माण किया जाएगा। सड़क के बनने के बाद लक्ष्मी विहार, विनय एन्क्लेव, अगर नगर, ब्रिज विहार सहित शीश महल एन्क्लेव आदि कई रिहायशी क्षेत्रों के लोगों के लिए मुंडका जाने का रास्ता काफी सुगम हो जाएगा। फिलहाल मुंडका जाने के लिए लोगों को करीब तीन किलोमीटर का रास्ता तय करने के लिए एक घंटे के समय लग जाता है। सड़क निर्माण के बाद रास्ता घटकर एक-डेढ़ किलोमीटर ही रह जाएगा। जिसके लिए केवल 15-20 मिनट का समय लगेगा। सड़क मार्ग के निर्माण के बाद करीब एक लाख से अधिक लोगों को जाम और जर्जर सड़क से मुक्ति मिलेगी। फिलहाल किराड़ी के लोगों को मुंडका जाने के लिए मुबारकपुर वाया रानीखेड़ा होते हुए मुंडका जाना पड़ता है। इसके अलावा नांगलोई होते हुए मुंडका तक पहुंचते हैं। इन रास्तों में जर्जर सड़क व जाम की वजह से लोग परेशान होते दिखाई देते है। कहीं वाहनों की लंबी कतार, तो कंही जर्जर सड़क जाम का कारण बनती दिखती है। जबकि किराड़ी फाटक से लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। इस सड़क मार्ग के निर्माण के बाद लोगों को सुगम व सुरक्षित रास्ता मिल सकेगा। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। यह सड़क न केवल मेरी कालोनी, बल्कि पूरी किराड़ी के लोगों के लिए काफी सुविधाजनक साबित होगी। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। - मालाराम, अध्यक्ष, आरडब्लूए, अगर एन्क्लेव मुझे मुंडका जाने के लिए कम से कम 45 मिनट मिनट का समय लगता है। सड़क बनने के बाद उम्मीद है कि मैं मात्र 15-20 मिनट में मुंडका पहुंच जाऊंगा। किराड़ी से मुंडका जाने के लिए यह काफी बेहतर रास्ता होगा। - पवन, ब्रिज विहार इस सड़क मार्ग का फायदा सबसे ज्यादा हमारी कालोनी को मिलेगा। फिलहाल हमें मुंडका जाने के लिए काफी ज्यादा घूमकर जाना पड़ता है या रेलवे लाइन पार करके जाना होता है।

राजस्थान का MBBS स्टूडेंट ट्रेन के आगे कूदा, मौत

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर के MBBS स्टूडेंट ने राजकोट (गुजरात) में ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। वह राजकोट के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में [illegible] के अंतिम वर्ष के छात्र थे। बताया जा रहा है कि इस स्टूडेंट ने इसी जगह डेढ़ महीने पहले (28 जनवरी) भी सुसाइड का प्रयास किया था। समय रहते गांव वालों ने उन्हें बचा लिया था। जानकारी के अनुसार, रतन कुमार मेघवाल (23) निवासी फलसूंड (जैसलमेर) की बॉडी शनिवार सुबह राजकोट के परापीपलिया रेलवे फाटक के पास मिली थी। गुजरात पुलिस को रतन के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है।तड़के 4 बजे हॉस्टल छोड़ा था पुलिस जांच के अनुसार, रतन कुमार शनिवार सुबह करीब 4:00 बजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से निकले थे। इसके ठीक 45 मिनट बाद, यानी 4:45 बजे उन्होंने सुसाइड कर लिया। गांधीग्राम पुलिस मौके पर पहुंची। सुसाइड नोट में रतन ने खुद के मानसिक रूप से परेशान होने के कारण यह कदम उठाने का जिक्र किया है। उधर, AIIMS प्रशासन का कहना है कि रतन कैंपस में नहीं रहते थे, जबकि हॉस्टल के वार्डन ने ही शव की पहचान की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर ने ली बैठक

जल संरक्षण कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देशानुसार कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई बैठक में कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए कलेक्टर सोमवंशी ने बताया कि प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाएगा उन्होंने कहा कि गत वर्ष की कार्ययोजना में शामिल अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नए जल संरक्षण कार्यों के साथ परंपरागत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार भी कराया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में ' सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तालाब, कुएं, बावड़ियों सहित अन्य परंपरागत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए आवश्यक कार्य किए जाएं। उन्होंने नदियों के उद्गम स्थलों, जलाशयों तथा उनके कैचमेंट एरिया की साफ-सफाई और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करें। जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी समय पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए उन्होंने नहरों की सफाई, बांधों के कटाव को रोकने, पौधारोपण करने तथा शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वैन में बैठे थे 25 बच्चे,फिटनेस और बीमा भी नहीं था, वाहन चेकिंग अभियान में खुलासा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। परिवहन विभाग ने सोमवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले दो वाहनों पर कार्रवाई की गई इस दौरान पिकअप वाहन में मेटल कबाड़ क्षमता से ज्यादा लदा मिला। अत्यधिक भार होने के कारण सड़क पर अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरा हो सकता था टीम ने वाहन का पीछा कर उसे रोक कर जब्त कर लिया वाहन को आरटीओ कार्यालय ले जाते समय चालक और उसके साथी ने शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। हालांकि टीम की सख्ती के बाद वाहन को कार्यालय लाकर कार्रवाई की गई पुलिस चौकी बंधौरा के आगे स्कूल वैन को भी रोका गया जांच में पाया गया कि वैन में क्षमता से अधिक करीब 25 बच्चे सवार थे जबकि इसमें केवल 8 बच्चों के बैठने की सुरक्षित व्यवस्था थी विभाग ने वैन को जब्त कर लिया बच्चों को शासकीय वाहन से उनके गांवों तक पहुंचाकर उनके अभिभावकों को सौंप दिया इस दौरान अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया जांच में खुलासा हुआ कि स्कूल वैन बिना वैध दस्तावेजों के संचालित हो रही थी इसमें फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, पीयूसी और पैनिक बटन जैसी अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्थाएं नहीं थीं प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों की बैठक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश में संशोधन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। वैढन स्थित मल्हार पार्क में राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने आज सोमवार को बैठक की इस बैठक में शिक्षकों ने टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और इसमें संशोधन की मांग की यह बैठक प्रांताध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चल रही बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा थी शिक्षकों का कहना है कि वे वर्ष 1998 से शासन के निर्देशानुसार लगातार शिक्षा सेवा दे रहे हैं ऐसे में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के लिए अब टीईटी परीक्षा पास करना अनिवार्य किया जाना उनके साथ अन्याय है कई शिक्षकों की आयु 25 से 50 वर्ष के बीच है और वे वर्षों से विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं शिक्षकों ने कहा कि नए आदेश के कारण उन्हें दोबारा परीक्षा देकर अपनी योग्यता साबित करने के लिए कहा जा रहा है, जो उचित नहीं है बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने सर्वसम्मति से मांग की कि इस आदेश में संशोधन किया जाए और प्रदेश सरकार शिक्षकों के हित में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करे राज्य शिक्षक संघ जिला इकाई के अध्यक्ष सुमारु प्रसाद कुशवाहा ने बैठक की अध्यक्षता की उन्होंने कहा कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को दोबारा टीईटी परीक्षा के लिए बाध्य करना उचित नहीं है सरकार को इस विषय में गंभीरता से विचार कर शिक्षकों को राहत देने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सरकार शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो जिले सहित प्रदेश भर में आंदोलन जारी रखा जाएगा। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गैस एजेंसियों का निरीक्षण, कालाबाजारी रोकने के दिए निर्देश

घरेलू गैस के दुरुपयोग पर कार्रवाई, होटल से सिलेंडर जब्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नागरिकों से अपील की गई है कि वे गैस सिलेंडर की पैनिक बुकिंग न करें और घरेलू गैस का उपयोग केवल आवश्यकता अनुसार ही करें। कलेक्टर ने जिले की सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया है कि वे कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकें और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से गैस उपलब्ध कराएं इसके तहत खाद्य विभाग के अधिकारियों ने 16 मार्च 2026 को जिले की प्रमुख गैस एजेंसियों जैसे लीना इंडेन गैस एजेंसी, प्रताप गैस एजेंसी और शिव शक्ति गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वितरण व्यवस्था सुचारू पाई गई और यह सुनिश्चित किया गया कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जांच के दौरान मडरिया चौराहा स्थित प्रिंस होटल से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया अधिकारियों ने होटल सहित अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि वे घरेलू गैस का उपयोग न करें केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए ही 14.2 किलोग्राम एवं 19 किलोग्राम के सिलेंडर उपलब्ध कराने की अनुमति है जिले में वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 4703 और 19 किलोग्राम के 664 गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध पाया गया अधिकारियों ने यह भी बताया कि जिले में किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अवैध जमाखोरी पर कड़ी नजर रखी जा रही है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे घरेलू गैस का विवेकपूर्ण उपयोग करें और आवश्यकता से अधिक बुकिंग न करें। उन्होंने कहा कि केवल जिम्मेदार और समयबद्ध वितरण के माध्यम से ही सभी घरेलू उपभोक्ताओं तक पर्याप्त गैस पहुंचाई जा सकती है कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गैस एजेंसियों का निरीक्षण करें और किसी भी अवैध गतिविधि का तुरंत निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकना प्रशासन की प्राथमिकता है इस अवसर पर खाद्य विभाग के अधिकारी, जिला आपूर्ति विभाग के कर्मचारी और स्थानीय निरीक्षक मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने लेखा अधिकारी पर 5' कमीशन मांगने का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विवादों में घिर गया है विभाग के लेखा अधिकारी सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर ग्रेच्युटी भुगतान के बदले कमीशन मांगने का आरोप लगा है यह आरोप को देवसर क्षेत्र के सुपेला निवासी सेवानिवृत्त टाइमपाल बद्री प्रसाद पाठक ने लगाया है बद्री प्रसाद पाठक सहित करीब 6 कर्मचारी लोक निर्माण विभाग में लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो चुके हैं।उन्हें अभी तक ग्रेच्युटी की राशि प्राप्त नहीं हुई है जिसके कारण वे परेशान हैं और विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर है सेवानिवृत्त कर्मचारी बद्री प्रसाद पाठक के अनुसार, पीडब्ल्यूडी संभाग के लेखा अधिकारी मनवीर सिंह मोर ग्रेच्युटी भुगतान के लिए कुल राशि का लगभग 5 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं पाठक का आरोप है कि कमीशन दिए बिना फाइल आगे नहीं बढ़ाई जा रही है जिससे कई सेवानिवृत्त कर्मचारी महीनों से अपनी हक की राशि के लिए भटक रहे हैं पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री (ईई) एसबी सिंह ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के छात्रों ने राज्य स्तरीय शिविर में किया प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र खिलेश्वर साकेत और शिवम गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय शिविर में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। यह शिविर 8 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चित्रकूट में आयोजित किया गया था। शिविर पूरा कर वापस लौटने पर महाविद्यालय में दोनों छात्रों का भव्य स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने उन्हें मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी प्राचार्य ने छात्रों की इस उपलब्धि को महाविद्यालय की प्रतिष्ठा और युवाओं में सामाजिक सेवा के प्रति उत्साह बढ़ाने वाला उदाहरण बताया डॉ. सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है इस प्रकार के राज्य स्तरीय शिविरों से छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भावना का विकास होता है उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वर्तमान समय में युवाओं का सामाजिक योगदान और जनसेवा की समझ आवश्यक है और इस शिविर में भागीदारी इसी दिशा में एक प्रेरक कदम है कार्यक्रम के दौरान छात्रों को राज्य स्तरीय गतिविधियों, प्रशिक्षण सत्रों और सामाजिक सेवा कार्यों में भाग लेने का अवसर मिला इसमें उन्हें समाज सेवा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ छात्र अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि यह शिविर उनके लिए न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था बल्कि उनके नेतृत्व कौशल और सामाजिक चेतना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय में डॉ. दिलीप कुमार सोनी राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गंगा देवी बैरागी, प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अरुणा सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. उमाकांत साहू तथा समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रेया शर्मा उपस्थित रहे।

मझगवां में युवक का संदिग्ध शव मिला, नाक पर चोट के निशान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत मझिगवां गांव में सोमवार दोपहर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला सड़क किनारे एक निर्माणाधीन मकान में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची बरगवां थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है मृतक की पहचान बड़गड़ निवासी देवधारी सिंह गोंड के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, देवधारी सिंह गोंड कुछ दिन पहले अपने ससुराल मझिगवां आए हुए थे उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई यह अभी स्पष्ट नहीं है घटना के बाद गांव में विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि मृतक की नाक पर चोट का एक निशान मिला है हालांकि शरीर पर अन्य कोई गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं पुलिस फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

20 मार्च तक शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश के आयुक्त द्वारा छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति धीमी होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च में पात्र विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं निर्देशों में कहा गया है कि सभी अधिकारी अभियान चलाकर अपने अधीनस्थ विद्यालयों में लंबित छात्रवृत्ति प्रकरणों का निराकरण 20 मार्च 2026 तक पूर्ण कराएं ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहे इसके लिए विद्यार्थियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराने से पहले आधार को बैंक खाते से लिंक कराना (एनएसपी) / ओटीआर ऐप के माध्यम से ओटीआर पूर्ण कराना पर प्रोफाइल एवं आवश्यक जानकारी अपडेट करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही स्पष्ट किया गया है कि 20 मार्च तक सभी प्रकार के छात्रवृत्ति कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण नहीं होने अथवा त्रुटिपूर्ण जानकारी मिलने पर संबंधित संस्था प्रमुख, संकुल प्राचार्य तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि छात्रवृत्ति भुगतान केवल शासन के प्रयासों पर निर्भर नहीं है, बल्कि इसमें अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और समयबद्ध कार्यवाही अत्यंत आवश्यक है।

रिश्वत मांगने वाला पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

लोकायुक्त ने 5 हजार लेते पकड़ा, कुल 50 हजार की थी मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लोकायुक्त पुलिस ने जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है हल्का मिर्चीवार में पदस्थ पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया को सोमवार सुबह 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मिर्चीवार निवासी शिकायतकर्ता मुनेश्वर प्रसाद सोनी ने पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया पर तीन अलग-अलग राजस्व मामलों, जिनमें वारिसाना भी शामिल था इसके लिए कुल 5 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था पटवारी पहले ही एक मामले के लिए 25 हजार ले चुका था और शेष दो मामलों के निपटारे के लिए लगातार पैसों की मांग कर रहा था शिकायतकर्ता ने पटवारी की ओर से लगातार रिश्वत मांगे जाने से परेशान होकर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने गोपनीय जांच की जिसमें आरोप सही पाए गए इसके बाद कार्रवाई की योजना तैयार की गई लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। योजना के तहत, सुबह करीब 8 बजे शिकायतकर्ता को सीधी शहर के जिला अस्पताल के पास स्थित पटवारी के आवास पर 5 हजार देने के लिए भेजा गया पटवारी की ओर से रिश्वत की रकम लेते ही पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया कार्रवाई के उपरांत, आरोपी पटवारी को हिरासत में ले लिया गया है।

एनएसयूआई का भाजपा कार्यालय घेराव,लाठी चार्ज और आंसू गैस का किया इस्तेमाल

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रीवा जिले में एनएसयूआई द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव किया गया। यह प्रदर्शन एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए प्रदर्शन की शुरुआत बैजू धर्मशाला से हुई जहां पंकज उपाध्याय ने सभा को संबोधित किया और केंद्र तथा राज्य सरकार की नीतियों और स्थानीय समस्याओं पर कड़ा विरोध जताया सभा के बाद कार्यकर्ता रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर बढ़े प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया उन्होंने शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव और वैचारिक दबाव भारत-अमेरिका किसान विरोधी ट्रेड डील,आरएसएस की कथित गतिविधियों और किसी विशेष विचारधारा का प्रचार-प्रसार, एपस्टीन फाइल मामले की निष्पक्ष जांच जिले की बिगड़ती स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई।

वांगचुक की रिहाई: लोकतंत्र में आंदोलनों की भूमिका का प्रश्न

संपादकीय

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने कई बार अनशन किया। पदयात्रा के जरिये दिल्ली पहुंचकर भी उन्होंने अनशन किया था। लेकिन सितंबर में आंदोलन के हिंसक होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं केंद्र सरकार की दलील है कि क्षेत्र के लोगों की मांगों का समाधान निकालने के लिये लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लद्दाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है। वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके ठंडे प्रदेश लद्दाख से 1400 किमी दूर गर्म प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खराब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है। वहीं सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे।

कठपुतली कला से लोगों को जागरूक कर रहे हैं सुनील सरला

कुमार कृष्णन

कभी मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहीं कठपुतलियां जागरूकता का काम भी कर रही हैं। कठपुतलियों के जरिए सामाजिक मुद्दों को रोचक तरीके से भी उठाया जा रहा। वहीं, कठपुतलियां सुशिक्षित और स्वस्थ समाज का भी बुलंद संदेश दे रहीं। इतिहास में दर्ज नामों की प्रेरक कहानियों को कठपुतलियों के जरिए जन-जन तक पहुंचाने के भी प्रयास हो रहे हैं।21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। कठपुतलियों के खेल मेलों से लेकर गांव-मोहल्लों में अक्सर देखने को मिलते थे, जो बेहद मनोरंजक हुआ करते थे। लेकिन पहले टीवी और फिर इंटरनेट युग ने समय के साथ इन कठपुतलियों को बच्चों से दूर कर दिया। संस्कृति की डोर से बंधी कठपुतली कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परंपराओं और लोककथाओं की एक जीवंत कहानी है। यह कला हमें अतीत से जोड़ती है और समाज को शिक्षाप्रद संदेश भी देती है।कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्याई ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। साथ ही सिंहासन बत्तीसी नामक कथा में भी 32 पुतलियों का उल्लेख है। पुतली कला की प्राचीनता के संबंध में तमिल ग्रंथ 'शिल्पादिकारम्' से भी जानकारी मिलती है।

पुतली कला कई कलाओं जैसे लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि का मिश्रण है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि शिक्षा कार्यक्रमों, रिसर्च कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। साथ ही साथ यह बच्चों के व्यक्तित्व के बहुमखी विकास में सहायक होता है। बता दें कि, भारत में सभी प्रकार की पुतलियां पाई जाती हैं, जैसे धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि।

कठपुतली कला को चंद कलाकार अब भी जीवंत बनाए हुए हैं, उनमें से एक हैं बिहार के मुजफ्फरपुर के सुनील सरला।

कठपुतली से शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता करते सुनील बच्चों के साथ साथ देश समाज में बो रहे हैं कला का संस्कार।कठपुतली जब जल जीवन हरियाली की बात करें तो शहरी लोगों के साथ साथ ग्रामीण लोग भी पर्यावरण जैसे गंभीर विषय को सरल व सहजतापूर्वक समझ जाते हैं।गीत संगीत कहानियों के माध्यम से कठपुतली सामाजिक विज्ञान,समाज सुधार अभियान को लेकर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से देश समाज में जागरूक करने वाले सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक लोक कलाकार सुनील कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड मालीघाट निवासी कठपुतली कला का प्रशिक्षण देते है।हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया (एचपीपीआई) किलकारी,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तरियानी(शिवहर) बंजरिया(पूर्वी चंपारण) चनपटिया(पश्चिम चंपारण) थूम्मा (रुन्नी सैदपुर) सीतामढ़ी,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग, मुजफ्फरपुर, विक्रम (पटना)छतौनी (मोतिहारी) पूर्वी चंपारण, पिरोता ,भोजपुर जिला के साथ साथ अन्य राज्यों में कठपुतली कला प्रशिक्षण देने वाले सुनील कुमार की पहचान कठपुतली कलाकार के साथ साथ कठपुतली प्रशिक्षक की भी हैं। कठपुतली को नवाचार का माध्यम बनाने वाले सुनील कुमार कठपुतली के माध्यम से देश समाज में हिंसा समाप्त करने, बाल विवाह, बाल श्रम, नशापान जैसे सामाजिक बुराइयों को के खिलाफ कठपुतली संवाद के माध्यम से जागरूक करते रहते हैं।पीपल,नीम, तुलसी जैसे पौराणिक पौधों को लेकर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार संवाद करने वाले सुनील कुमार कठपुतली कला का प्रशिक्षण सी जी नेट के सहयोग से सर्वप्रथम सालेकसा (गोंदिया) महाराष्ट्र में प्राप्त की। पपेट जर्नलिज्म के माध्यम से भारत देश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों को वैकल्पिक माध्यम के प्रयोग का प्रशिक्षण देने का कार्य किया।

टॉय ट्रेन में मीडिया मित्रों के संग प्रकृति से आत्मीय संवाद — घुमावदार पहाड़ों, हरियाली और चाय की खुशबू में बसती प्रकृति की अद्भुत व अलबेली दुनिया का आनंद दक्षिण भारत की धरती अपने भीतर प्रकृति की ऐसी अनुपम छवियाँ समेटे हुए है,जिन्हें देखकर मन अनायास ही विस्मय और श्रद्धा से भर उठता है।यहाँ के पर्वत, हरियाली,झरने और शांत वातावरण प्रकृति के उस दिव्य रूप का परिचय देते हैं,जो मनुष्य को जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षणों के लिए दूर ले जाकर आत्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। तमिलनाडु का औद्योगिक नगर कोयंबटूर और उससे लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय पर्यटन नगरी ऊटी की यात्रा इसी प्राकृतिक वैभव का अद्भुत अनुभव कराती है।यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधारण मार्ग नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संवाद का ऐसा अवसर है,जो स्मृतियों में लंबे समय तक जीवित रहता है।

कोयंबटूर से ऊटी की यादगार यात्रा

बिनोद कुमार सिंह

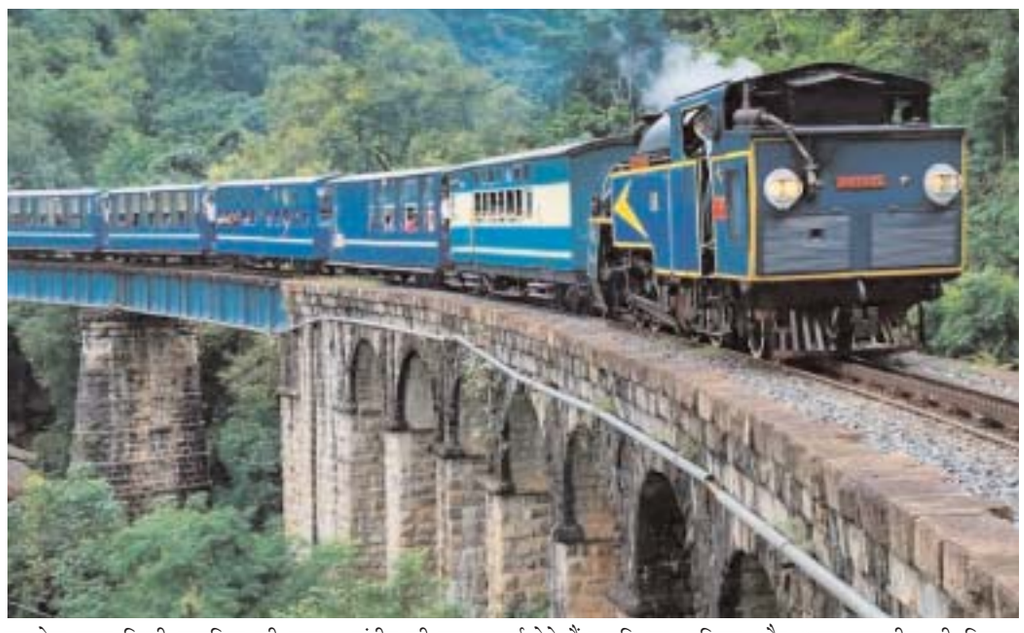

विगत दिनों हमें दिल्ली की भागदौड़ भरी जीवन-शैली से कुछ समय के लिए अलग दक्षिण भारत की यात्रा का अवसर मिला।मीडिया मित्रों के साथ यह यात्रा किसी सामान्य पर्यटन कार्यक्रम से कहीं अधिक थी। यह मानो प्रकृति की गोद में बिताए गए उन अनमोल क्षणों का अनुभव था,जो जीवन की व्यस्तता के बीच मन को नई ऊर्जा और शांति प्रदान करते हैं।कोयंबटूर से ऊटी की ओर बढ़ते ही धरती का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगता है।मैदानी इलाकों की गर्म हवा शीतल पर्वतीय बयार में परिवर्तित हो जाती है।सीधी और सपाट सड़कों की जगह घुमावदार घाटियाँ दिखाई देने लगती हैं और शहरी कोलाहल की जगह चारों ओर फैली हरियाली यात्रियों का स्वागत करती प्रतीत होती है। यह मार्ग नीलगिरि पर्वतमाला की गोद से होकर गुजरता है। 'नीलगिरि' का अर्थ ही है-नीले पर्वत।दूर से देखने पर इन पहाड़ों की हरियाली और नीले आकाश का अद्भुत संगम इन्हें एक विशिष्ट सौंदर्य प्रदान करता है।जैसे-जैसे हमारी कारों का काफिला ऊँचाई की ओर बढ़ रहा था,सड़कें सर्प की भाँति घुमावदार होती जा रही थीं।कुछ दूरी पर तीखे मोड़ आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'हेयरपिन बेंड' कहा जाता है।इन मोड़ों से नीचे झांकती घाटियाँ और दूर तक फैले पर्वत यात्रियों के मन में रोमांच भर देते हैं। कभी बादलों की हल्की परतें घाटियों में तैरती दिखाई देती हैं तो कभी सूर्य की किरणें पर्वतों की ढलानों को सुनहरी आभा से भर देती हैं।

रास्ते भर फैले चाय के बागान इस यात्रा को और भी मनोहारी बना देते हैं।पर्वतों की ढलानों पर कतारों में सजे चाय के पौधे मानो किसी कलाकार की सजीव चित्रकला प्रतीत होते हैं।दूर-दूर तक फैली हरियाली और उसके बीच काम करती महिला मजदूरों की छवियाँ इस दृश्य को और भी जीवंत बना देती हैं। सिर पर टोकरी, हाथों में चाय की कोमल पत्तियाँ और चेहरे पर श्रम की सहज मुस्कान-यह सब मिलकर प्रकृति और श्रम के सुंदर समन्वय का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।यह क्षेत्र भारत के प्रमुख चाय उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है और नीलगिरि की चाय विश्व भर में अपनी सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।हमारी इस यात्रा का सबसे स्मरणीय और रोमांचक अनुभव तब मिला जब मीडिया मित्रों के साथ प्रसिद्ध नीलगिरि माउंटेन रेलवे की टॉय ट्रेन में बैठने का अवसर प्राप्त हुआ।यह छोटी- सी पर्वतीय रेलगाड़ी मानो प्रकृति की गोद में धीरे-धीरे सरकती हुई आगे बढ़ती है। पटरियों के दोनों ओर फैली हरियाली, छोटी-छोटी सुरंगें,गहरी घाटियाँ और दूर तक फैले चाय के बागान–इन सबके बीच यह रेल यात्रा किसी चलचित्र की तरह आँखों के सामने खुलती चली जाती है।जब ट्रेन किसी मोड़ से गुजरती है तो पूरी रेलगाड़ी का दृश्य सामने दिखाई देने लगता है।ऐसा लगता है मानो पहाड़ों की गोद में कोई रंगीन रेखा धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हो। कभी ट्रेन सुरंग में प्रवेश करती है तो कुछ क्षणों के लिए अंधकार छा जाता है।जैसे ही बाहर निकलती है,सामने हरियाली से भरा दृश्य यात्रियों का स्वागत करता है।

टॉय ट्रेन की इस यात्रा को और भी रोचक बना दिया हमारे मीडिया साथियों ने। किसी ने गीत की पंक्ति छेड़ी तो किसी ने उसे आगे बढ़ाया और देखते ही देखते पूरे डिब्बे में अंताक्षरी का दौर शुरू हो गया। पहाड़ों के बीच गीतों की मधुर धुन गूंजने लगी। प्रकृति की शांति और मित्रों की हँसी-ठिठोली के बीच यह यात्रा सचमुच अविस्मरणीय बन गई।इस यात्रा में वरिष्ठ पत्रकार सुजीत ठाकुर के साथ मीडिया जगत की सक्रिय सहयोगीलाइगा आशिफ,(समूह संपादिका) शिवानी शर्मा, भावना गुप्ता, सपना, आकांक्षा त्रिवेदी,अभिषेक,समीर,सुरेन्द्र पंडित और रिपुंज तिवारी सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित थे।रास्ते भर संवाद, हास्य परिहास और गीतों का यह वातावरण यात्रा को और भी जीवंत बना रहा था।विशेष वरिष्ट मीडिया मित्र सुजीत ठाकुर व रिपुंज तिवारी ने ऐसा समा बंधा कि हम सुर- संगीत की महफिल में पहुंचे हो।इस अवसर पर आयोजन से जुड़े कुछ सरकारी अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अधिकारी जो अतिथि भी हमारे साथ थे,जिनकी उपस्थिति ने इस यात्रा को एक सामूहिक अनुभव का रूप दे दिया।रास्ते में पहाड़ों से उतरते छोटे-छोटे झरने यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं।कहीं चट्टानों के बीच से पतली जलधारा गिरती है तो कहीं हरियाली के बीच से फूटते झरने मधुर संगीत की तरह सुनाई देते हैं।प्रकृति का यह स्वाभाविक संगीत मन को एक अनूठी शांति प्रदान करता है।बरसात के मौसम में इन झरनों की संख्या और भी बढ़ जाती है और पूरा क्षेत्र जलधारा और हरियाली का उत्सव बन जाता है।संध्या होते-होते हम ऊटी पहुँचे और वहीं रात्रि विश्राम का अवसर मिला। पहाड़ों की ठंडी हवा,चारों ओर फैली शांति और दूर-दूर तक पसरी हरियाली ने वातावरण को अत्यंत सुकूनभरा बना दिया।शहर की भागदौड़ से दूर यह शांत रात्रि मानो प्रकृति की गोद में विश्राम करने जैसा अनुभव दे रही थी।

अगली सुबह का दृश्य तो और भी अद्भुत था।प्रातःकाल जब भुवन-भास्कर सूर्यदेव की पहली किरणें पर्वतों की चोटियों पर पड़ीं, तो वह दृश्य सचमुच दिव्य और अलौकिक प्रतीत हुआ।पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगता सूर्य,धुंध की हल्की परतों के बीच फैलती सुनहरी रोशनी और उस प्रकाश में चमकती हरियाली - यह दृश्य मन को एक आध्यात्मिक शांति से भर देता है।ऐसा लगता है मानो स्वयं प्रकृति ने अपने आंचल से दिन का स्वागत किया हो।ऊटी का प्राकृतिक सौंदर्य वास्तव में अद्वितीय है।यहाँ की झीलें,उद्यान और पर्वतीय दृश्य पर्यटकों को बार-बार अपनी ओर आकर्षित करते हैं।ऊटी झील के शांत जल में तैरती नौकाएँ और उसके चारों ओर फैली हरियाली मन को एक अनोखी शांति का अनुभव कराती है। वहीं प्रसिद्ध सरकारी बोटैनिकल गार्डन दुर्लभ पौधों और रंग-बिरंगे फूलों की अद्भुत दुनिया प्रस्तुत करता है।

नीलगिरि पर्वतमाला जैव विविधता की दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध क्षेत्र है। यहाँ के घने जंगलों में अनेक प्रकार के वन्यजीव और पक्षी पाए जाते हैं।कभी-कभी रास्ते में बंदरों के समूह यात्रियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं,जबकि जंगलों की गहराइयों में हाथी, हिरण और अन्य वन्यजीव भी निवास करते हैं।कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय कराती है।रास्ते में स्थानीय जनजातीय समुदायों की झलक भी देखने को मिलती है,जिनकी जीवन शैली प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है।उनके पारंपरिक घर, पहनावा और जीवन-दृष्टि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाते हैं।दरअसल,कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा हमें प्रकृति के उस सौंदर्य से रूबरू कराती है,जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं।घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए जब पहाड़ों की ठंडी हवा चेहरे को छूती है,जब चाय के बागानों की हरियाली आँखों को सुकून देती है और जब झरनों की कल-कल ध्वनि कानों में मधुर संगीत की तरह गूंजती है,तब लगता है कि मानव और प्रकृति के बीच का यह संबंध कितना गहरा और आत्मीय है। अंततः कहा जा सकता है कि कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा केवल पर्यटन नहीं,बल्कि प्रकृति के साथ एक आत्मिक अनुभव है। नीलगिरि की हरियाली,पहाड़ों की घुमावदार राहें,हरे चाय बगानों की सुगंध,झरनों का मधुर संगीत,टॉय ट्रेन की धीमी यात्रा और मीडिया मित्रों के साथ बीते हुए जमाने के मधुर गीतों की अंताक्षरी-ये सब मिलकर इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दी।मै स्पष्ट कर दूँ कि जो भी यात्री एक बार इस मार्ग से होकर ऊटी पहुँचता है,उनके मन मस्तिक में यात्रा की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं।ऐसा लगता है,मानो प्रकृति ने स्वयं अपनी गोद में बैठाकर उसे कुछ स्वर्णिम और अनमोल क्षण उपहार में दे दिए हों।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सीईसी पर महाभियोग का नोटिस: बहुमत से नहीं, 'नैरेटिव की राजनीति' से लड़ाई

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया जाता है, तो वह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रह जाता, बल्कि उसके राजनीतिक मायने भी गहरे हो जाते हैं। हाल ही में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, यानी कुल 193 सांसदों ने इसे समर्थन दिया है। यह संख्या नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या से अधिक है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके बावजूद इस प्रस्ताव का संसद में पारित होना लगभग असंभव है।

कांतिलाल मांडोत

यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। विपक्षी दलों का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में जल्द ही पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का कदम उठाना यह संकेत देता है कि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना चाहता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) में तय की गई है। इसके अनुसार उन्हें हटाने के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है। इसका अर्थ है कि संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। विशेष बहुमत का मतलब है कि सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास इतनी संख्या नहीं है कि वह इस प्रस्ताव को पारित करा सके।

यही कारण है कि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह प्रस्ताव वास्तव में सत्ता परिवर्तन की कोशिश से अधिक राजनीतिक संदेश देने की रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की कुछ प्रक्रियाएं, खासकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े निर्णय, बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकते हैं और इससे सत्तारूढ़ दल को लाभ मिल सकता है। इसी आधार पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए महाभियोग का रास्ता चुना है।

हालांकि यह भी सच है कि इस तरह का प्रस्ताव भारतीय इतिहास में पहली बार सामने आया है। इससे पहले किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में इस स्तर का औपचारिक प्रयास नहीं हुआ था। इसलिए यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है। विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि वह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और यदि उसे लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तो वह उसे संसद में चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस कदम का सीधा फायदा विपक्ष को तुरंत मिलना मुश्किल है। संसद में बहुमत के अभाव के कारण यह प्रस्ताव संभवतः आगे नहीं बढ़ पाएगा। लोकसभा में अंतिम निर्णय स्पीकर ओम बिरला के पास है, जबकि राज्यसभा में यह अधिकार सभापति के पास होता है। यदि वे नोटिस स्वीकार भी कर लेते हैं तो अगला चरण जांच समिति का होगा। समिति की रिपोर्ट और उसके बाद संसद में मतदान की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि उसका परिणाम निकट भविष्य में निकलना मुश्किल है।

इसके बावजूद विपक्ष के लिए यह कदम पूरी तरह बेकार भी नहीं है। राजनीति में कई बार किसी मुद्दे को उठाने का उद्देश्य तत्काल परिणाम प्राप्त करना नहीं बल्कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करना होता है। विपक्ष शायद यही चाहता है कि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बहस छिड़े और मतदाताओं के बीच यह संदेश जाए कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

विशेष रूप से उन राज्यों में जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां यह मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकता है। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों में विपक्ष यह तर्क दे सकता है कि चुनाव आयोग की कुछ नीतियां मतदाता सूची या चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इससे विपक्ष को अपने समर्थकों को संगठित करने और राजनीतिक माहौल बनाने का अवसर मिल सकता है। इसके अलावा यह कदम विपक्षी एकता का भी प्रतीक बन सकता है। इस नोटिस पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आम आदमी पार्टी सहित कई दलों के सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह दर्शाता है कि विभिन्न विचारधाराओं के दल एक साझा मुद्दे पर एक साथ खड़े हो सकते हैं। भारतीय राजनीति में जहां विपक्ष अक्सर बिखरा हुआ दिखाई देता है, वहां इस तरह की संयुक्त कार्रवाई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या केवल नैरेटिव बनाने से चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय मतदाता अक्सर स्थानीय मुद्दों, नेतृत्व और सरकार के कामकाज को अधिक महत्व देते हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं कि चुनाव आयोग को लेकर उठाया गया विवाद सीधे चुनावी परिणामों को प्रभावित कर दे।

लेकिन राजनीति केवल परिणामों की गणना नहीं होती, बल्कि धारणा की भी होती है। विपक्ष शायद यही समझता है कि यदि वह चुनाव से पहले लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा लगातार उठाता है, तो वह कम से कम राजनीतिक बहस की दिशा बदल सकता है। यही कारण है कि संख्या बल की कमी के बावजूद इस तरह का संवैधानिक कदम उठाया गया है। अंततः यह घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर राजनीतिक दल कितने संवेदनशील हैं और वे उन्हें लेकर संसद में किस हद तक जाने को तैयार हैं। चाहे यह प्रस्ताव आगे बढ़े या नहीं, लेकिन इसने एक बड़ी बहस जरूर शुरू कर दी है कि चुनावी संस्थाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों की अपेक्षाएं क्या हैं और लोकतंत्र में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिला अस्पताल मनेंद्रगढ़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

4 बालिकाओं को टीका लगाकर हुई शुरुआत, सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर दी गई जागरूकता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला प्रशासन मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम की शुरुआत 4 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाकर की गई तथा उन्हें टीकाकरण प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका निगम महापौर राम नरेश राय ने अभियान का शुभारंभ किया यह कार्यक्रम कलेक्टर जिला एमसीबी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन महिलाओं में होने वाले से बचाव का प्रभावी और सुरक्षित माध्यम है उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है लेकिन समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी से काफी हद तक बचाव संभव है उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बालिकाओं को निर्धारित आयु में यह टीका अवश्य लगवाएं और इस जनस्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में सहयोग कर चरणबद्ध तरीके से लगाया जाएगा टीका जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनीत विश्वकर्मा ने एचपीवी वैक्सीन की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी वायरस से होने वाला संक्रमण आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण बनता है स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं को यह टीका चरणबद्ध तरीके से लगाया जाएगा तथा जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा इस अवसर पर सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र राय ने भी इस स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने की अपील की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राम नरेश राय ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एचपीवी टीकाकरण एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है।

बीमार महिला से धोखे से 12 विश्वा जमीन की रजिस्ट्री अशिक्षित होने का फायदा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में एक बीमार और अशिक्षित महिला से जमीन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है आरोप है कि ढाई विश्वा जमीन बेचने के नाम पर उससे करीब 12 विश्वा जमीन हड़प ली गई पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है कोलारस क्षेत्र के ग्राम नेतवास निवासी 30 वर्षीय रेवती जाटव ने बताया कि वह अशिक्षित है और अंगूठा लगाती है लंबे समय से बीमार होने के कारण उन्हें इलाज के लिए पैसों की आवश्यकता थी इसी वजह से उन्होंने ग्राम चिटोरा स्थित अपनी कृषि भूमि सर्वे नंबर 438 में से लगभग 0.01428 हेक्टेयर (करीब ढाई विश्वा) जमीन 83 हजार रुपए में बेचने का सौदा किया था महिला का आरोप है कि कामता प्रसाद जाटव ने रजिस्ट्री के समय उन्हें केवल 50 हजार रुपए दिए और शेष 33 हजार रुपए अगले दिन देने का वादा किया इसके बाद 14 मार्च को जमीन की रजिस्ट्री करवा ली गई रेवती जाटव के अनुसार, रजिस्ट्री के दौरान कामता प्रसाद के साथ मौजूद एक महिला, मिस्सो रावत, को गवाह बताया गया था। बाद में उन्हें पता चला कि उसी महिला मिस्सो रावत के नाम पर उनकी दूसरी जमीन सर्वे नंबर 241 में से 0.0975 हेक्टेयर (लगभग 12 विश्वा) जमीन की भी रजिस्ट्री करवा ली गई है।

जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज की पहचान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 15 मार्च को विश्वभर मे विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है यह दिवस उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है आज के दौर में, जब बाजार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और वैश्वीकरण तथा डिजिटल तकनीक के कारण खरीद-बिक्री के तरीके नए रूप ले रहे हैं ऐसे में उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक हो गया विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाने की प्रेरणा 15 मार्च 1962 को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी द्वारा अमेरिकी संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण से मिली इस भाषण में उन्होंने पहली बार उपभोक्ताओं के चार मूलभूत अधिकारों का उल्लेख किया था

1. सुरक्षा का अधिकार
2. जानकारी पाने का अधिकार
3. विकल्प का अधिकार
4. सुने जाने का अधिकार

बाद में इन सिद्धांतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया और वर्ष 1983 से 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण बाजार वाले देश में उपभोक्ता अधिकारों का महत्व और भी अधिक है यहां करोड़ों लोग प्रतिदिन विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करते हैं, इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कानून और संस्थागत व्यवस्था आवश्यक है उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार ने 2019 लागू किया जिसने पुराने 1986 का स्थान यह कानून उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापनों, घटिया या दोषपूर्ण उत्पादों, सेवा में लापरवाही, अधिक मूल्य वसूली और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करता है इस कानून के तहत जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता आयोगों की स्थापना की गई है जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर न्याय प्राप्त कर सकते हैं इसके अलावा उपभोक्ता मामलों के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) जैसी संस्थाएं भी कार्यरत हैं जो बाजार में अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर निगरानी रखती हैं।

दोस्त ने डंडे से पीटकर युवक की हत्या , शराब पी तो मोबाइल के लिए हुआ झगड़ा

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। मोहना थाना क्षेत्र में शराब पीने के बाद मोबाइल के लिए हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी घटना रविवार शाम करीब 6 बजे मोहना बायपास स्थित अजीत नायक भोजनालय के सामने हुई वारदात के बाद आरोपी जंगल की ओर भाग गया सूचना मिलते ही मोहना थाना पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है मृतक के शव को ग्वालियर के डेड हाउस में रखवाया गया है परिजनों को सूचना दे दी गई है और सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार मुरैना के आमपुरा स्थित एसएएफ लाइन के पास रहने वाला 35 वर्षीय ऋषि सिंह पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार काम की तलाश में था शनिवार को उसका दोस्त दीपक शाक्य उसे काम दिलाने के लिए ग्वालियर के मोहना क्षेत्र में लेकर आया था भोजनालय पर दोनों ने शराब पी नशे की हालत में दीपक द्वारा मोबाइल छीन लेने पर उनके बीच बहस शुरू हो गई ढाबा संचालक ने उन्हें कई बार समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया कुछ ही देर में बहस मारपीट में बदल गई विवाद के दौरान दीपक शाक्य ने पास पड़ा बबूल का डंडा उठाकर ऋषि सिंह के सिर पर कई वार कर दिए गंभीर चोट लगने से ऋषि सड़क पर गिर पड़ा घटना के बाद दीपक शाक्य मौके से जंगल की ओर भाग गया आसपास मौजूद लोगों ने ऋषि की नब्ज जांची तो उसकी मौत हो चुकी थी इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई एसडीओपी घाटीगांव शैलेन्द्र शर्मा के अनुसार घटना के बाद थाना प्रभारी राशिद खान और एएसआई देवेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में दो पुलिस टीमें आरोपी की तलाश में लगाई गई हैं पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस :स्वस्थ समाज की मजबूत नींव

बच्चों और माताओं को घातक बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी और विश्वसनीय उपायों में से एक माना जाता है यही कारण है कि भारत में हर वर्ष 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करना और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकों के उपयोग को बढ़ावा देना है आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने विश्वभर में करोड़ों लोगों की जान बचाई है और कई घातक बीमारियों के प्रभाव को कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है पोलियो मुक्त भारत - सामूहिक प्रयासों की बड़ी उपलब्धि भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की शुरुआत वर्ष 1995 में पल्स पोलियो अभियान के साथ हुई थी इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाना था, जो बच्चों में स्थायी विकलांगता का कारण बन सकती थी स्वास्थ्य विभाग, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज के व्यापक सहयोग से चलाए गए इस अभियान ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की और भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त देश घोषित किया गया। यह उपलब्धि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। टीकाकरण बच्चों और गर्भवती महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और उन्हें कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है समय पर लगाए जाने वाले टीके खसरा, डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस और हेपेटाइटिस-बी जैसी बीमारियों से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

तरुण खटीक हत्याकांड के विरोध में समाज ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दिल्ली के उत्तम नगर में तरुण खटीक की हत्या के विरोध में सोमवार को शिवपुरी में खटीक समाज और सर्व हिंदू समाज ने प्रदर्शन किया समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें आरोपियों को फांसी की सजा और मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी व सुरक्षा देने की मांग की गई यह घटना दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान हुई थी जहां 26 वर्षीय तरुण खटीक की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना से खटीक समाज और सर्व हिंदू समाज में गहरा आक्रोश है प्रदर्शनकारी पहले पुराने बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। वहां से एक रैली निकालते हुए वे कलेक्ट्रेट पहुंचे इस दौरान उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की ज्ञापन में मुख्य रूप से आरोपियों को फांसी की सजा देने साथ ही मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई खटीक समाज की ओर से महेंद्र खटीक ने इस घटना को 'बेहद दुखद और निंदनीय' बताया उन्होंने कहा कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी, सिलाई मशीन बनीं, गांव की महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है इस योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं इसी कड़ी में जिला के ग्राम कुदरा की निवासी सूर्यकली बैगा की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

बचत से खरीदी सिलाई मशीन: सूर्यकली बैगा को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है उन्होंने इस राशि को नियमित रूप से बचत के रूप में जमा करना शुरू किया कुछ समय बाद अपनी बचत में थोड़ी और राशि जोड़कर उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदी और यहीं से उनके आत्मनिर्भर बनने की शुरुआत हुई।

घर से शुरू किया सिलाई का काम: सिलाई मशीन मिलने के बाद सूर्यकली बैगा ने अपने घर से ही कपड़े सिलने का काम शुरू किया शुरुआत में वे गांव के लोगों के छोटे-मोटे कपड़े सिलती थीं लेकिन धीरे-धीरे उनके काम की गुणवत्ता और मेहनत की चर्चा आसपास के गांवों तक पहुंचने लगी आज स्थिति यह है कि गांव और आसपास के लोग नियमित रूप से उनसे कपड़े सिलवाने आने लगे हैं इससे उन्हें अतिरिक्त आय होने लगी है और वे अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों में भी सहयोग कर पा रही हैं।

बढ़ा आत्मविश्वास, बदली जिंदगी: सूर्यकली बैगा बताती हैं कि पहले उनका जीवन केवल घरेलू कामकाज तक ही सीमित था, लेकिन अब वे अपने हुनर के माध्यम से परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं इससे उनके आत्मविश्वास में भी काफी वृद्धि हुई है और वे स्वयं को अधिक सक्षम महसूस करती हैं उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना महिलाओं के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है।

अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा : ग्रामवासियों का कहना है कि सूर्यकली बैगा की मेहनत और लगन गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही है उनकी सफलता देखकर कई महिलाएं भी छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं दरअसल, महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है बल्कि यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर भी प्रदान कर रही है सूर्यकली बैगा की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अपने प्रयासों से जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन सकती हैं।

बादलों से थमी गर्मी की रफ्तार..चार दिनों में 4.6 डिग्री की गिरावट

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। अंचल में पिछले 4 दिनों से छाए बादलों के कारण मार्च में बढ़ रही गर्मी की रफ्तार थम गई है मौसम में आए बदलाव से दिन के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है पिछले चार दिनों में अधिकतम तापमान में करीब 4.6 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली है मौसम विभाग के अनुसार सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पहले 20 डिग्री के आसपास था वहीं रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से करीब 0.7 डिग्री अधिक रहा इससे पहले अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था चार दिन में तापमान 37.2 से घटकर 32.6 डिग्री मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार कुछ दिन पहले अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो सामान्य से 5.3 डिग्री अधिक था बादलों की आवाजाही और पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान घटकर 32.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है सुबह 63 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई, जो सामान्य से करीब 4 प्रतिशत अधिक है वहीं शाम के समय आर्द्रता 44 प्रतिशत रही, जो सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत ज्यादा दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अंचल की ओर नमी आ रही है, जिसके कारण अगले 24 घंटे तक आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। ग्वालियर-चंबल अंचल में 40 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने की भी आशंका जताई गई है मौसम विभाग के अनुसार 17 मार्च को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

एलपिजी की किल्लत...एजेंसियों में लंबी लाइनें लगी : 1500 देकर ब्लैक में खरीद रहे सिलेंडर, लकड़ी-कोयले की बढ़ी डिमांड

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है छत्तीसगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं बिलासपुर, रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ जुट रही है लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से अब होटल-ढाबों में कोयले की भट्टी और लकड़ी का उपयोग किया जा रहा है इस वजह से लकड़ी और कोयले की डिमांड बढ़ गई है बिलासपुर में कई लोगों का कहना है कि ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद नंबर नहीं लग पा रहा है जिसके कारण उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा। मजबूरी में कुछ उपभोक्ताओं को 1500 रुपए तक देकर ब्लैक में गैस सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है वहीं रायपुर, भिलाई और अंबिकापुर में भीड़ पहले की तुलना में कम हुई है एजेंसी संचालकों का कहना है कि गैस सिलेंडर का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और सप्लाई भी लगातार आ रही है उपभोक्ताओं से घबराने या जल्दबाजी में एजेंसी पहुंचने के बजाय अपनी बुकिंग के अनुसार सिलेंडर लेने की अपील की जा रही है रायपुर के लाखे नगर स्थित जय माताजी भोजनालय के संचालक सुरेश पहलाजानी ने बताया कि युद्ध की वजह से जब से कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित हुई है, तब से वे अपने भोजनालय में खाना बनाने के लिए कोयला भट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने की दिशा में प्रशासन ने संवेदनशील पहल करते हुए दो अलग-अलग प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता स्वीकृत की है न्यायालय अपर कलेक्टर मनेन्द्रगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान (01 दिसम्बर 2022) के तहत प्रत्येक प्रकरण में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है इस आदेश के अनुसार तहसील क्षेत्र के दो प्रकरणों में प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर मृतकों के निकट परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। स्वर्गीय राजेंद्र कोड़ाकू, निवासी डोमनापारा जो 15 जून 2025 को सर्पदंश से मृत्यु हो गए थे के पिता छोटू कोड़ाकू को सहायता राशि प्रदान की जाएगी। स्वर्गीय फूलकुंवर, निवासी परसगढ़ी जो 25 जुलाई 2025 को डबरी के पानी में डूब जाने से मृत्यु हो गए थे के पिता छत्रपाल सिंह को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रशासन द्वारा स्वीकृत सहायता राशि संबंधित हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत मिल सके। यह राशि मांग संख्या-58, मुख्य शीर्ष-2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यय की जाएगी।

नर्मदापुरम का पारा 40 डिग्री से नीचे पश्चिमी विक्षोभ से 1.5 डिग्री गिरा तापमान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में पिछले 4 दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बीच रविवार को दोपहर के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे अधिकतम पारा 40 डिग्री से लुढ़ककर 38.9 डिग्री पर आ गया है। मौसमविद वीएस यादव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंडी हवाएं आ रही हैं। इसके कारण अगले चार दिनों में दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। जिले में 20 मार्च तक हल्के बादल छाए रहेंगे, हालांकि नर्मदापुरम में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

लगातार 3 दिन 40 के पार था तापमान : नर्मदापुरम में 12 मार्च से दोपहर का अधिकतम तापमान लगातार 40 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा था। 12 मार्च को 40.2 डिग्री, 13 मार्च को 40.1 डिग्री और 14 मार्च को 40.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। रविवार 15 मार्च को अधिकतम तापमान घटकर 38.9 डिग्री पर आ गया, वहीं रात का न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री रहा।

पचमढ़ी में 1.7 डिग्री की गिरावट : हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी भीषण गर्मी से राहत मिली है और यहां के तापमान में 1.7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को यहां दिन का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री व रात का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री रहा। जबकि इससे एक दिन पहले शनिवार को पचमढ़ी का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

खरगोन में किसान के खेत में लगी आग 3 एकड़ गेहूं की फसल राख

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले की कसरावद तहसील के भग्यापुर में किसान राजेंद्र पाटोदा के खेत में कटाई के बाद रखे गेहूं के ढेर में आग लग गई। सोमवार तड़के करीब 5 बजे हुई इस घटना में लगभग 3 एकड़ में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। लगभग 60 रुपए के नुकसान की आशंका का है। पीड़ित किसान राजेंद्र पाटोदा ने बताया कि वे रातभर रखवाली कर घर लौटे ही थे कि उन्हें खेत में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने तत्काल पुलिस और डायल 112 को सूचित किया और फायर ब्रिगेड बुलाई। मंडलेश्वर नगर पंचायत से पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक तीन एकड़ में रखी गेहूं की फसल का ढेर पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि, किसान और स्थानीय लोगों को आशंका है कि किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर फसल में आग लगाई है। खेत में 100 फीट की दूरी पर गेहूं का एक और कटा हुआ ढेर सुरक्षित था। सुबह आसपास के किसानों ने खेत पहुंचकर जलते हुए ढेर को देखा और इसकी सूचना दी। मौके पर राजस्व और पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और पंचनामा बनाया जा रहा है। आग से हुई क्षति और इसके कारणों की जांच की जा रही है।

सीहोर में भूमि विवाद पर युवक पर हमला बड़े भाई और भतीजे ने चाकू-गुप्ती से किया घायल

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर थाना क्षेत्र के भाऊंखेड़ी गांव में मकान की जमीन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर उसके बड़े भाई और भतीजे ने हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार भाऊंखेड़ी गांव निवासी लखनलाल का अपने छोटे भाई मनोहर वर्मा से मकान की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि उस समय मनोहर वर्मा अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान लखनलाल और उसका बेटा कृष्णपाल वहां पहुंचे और उन्होंने मनोहर पर चाकू और गुप्ती से हमला कर दिया। हमले में मनोहर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गए।ग्रामीण आसपास ही मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से इलाके के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही थी। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ की मौजूदगी की जांच कराने की मांग की है। वहीं वन विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है।सके परिजनों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और धमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

दोनों आरोपी गिरफ्तार : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मनोहर को तुरंत इछावर अस्पताल ले जाया गया। वहां से उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले में सोमवार को केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। और उनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटना की जांच भी जारी है।

पन्ना में दोस्त ने की थी दोस्त की हत्या पत्थर से कुचला था सिर

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना पुलिस ने रैपुरा थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। रूपझिर मोड़ के पास जंगल में मिले शव की पहचान के बाद खुलासा हुआ कि मृतक का करीबी दोस्त ही उसका हत्यारा है। जांच के दौरान, पुलिस ने कटनी-दमोह रोड पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक फुटेज में मृतक करन चौधरी अपनी पल्सर बाइक पर एक अन्य युवक के साथ दिखा।

मृतक की पहचान 19 वर्षीय करन चौधरी के रूप में हुई है। यह घटना 13 मार्च को सामने आई, जब रूपझिर के जंगलों में एक वनरक्षक ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक युवक का शव मिला, जिसका चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचला हुआ था। हत्यारे ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से चेहरे को क्षत-विक्षत कर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने एक विशेष टीम का गठन किया। डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्रस्रु) की टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मृतक की शिनाख्त करना था।

सीसीटीवी खंगाले : जांच के दौरान, पुलिस ने कटनी-दमोह रोड पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक फुटेज में मृतक करन चौधरी अपनी पल्सर बाइक पर एक अन्य युवक के साथ दिखा। मृतक की पहचान 19 वर्षीय करन चौधरी के रूप में हुई है। यह घटना 13 मार्च को सामने आई, जब रूपझिर के जंगलों में एक वनरक्षक ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक युवक का शव मिला, जिसका चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचला हुआ था। हत्यारे ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से चेहरे को क्षत-विक्षत कर दिया था। फुटेज में दिख रहे हुलिए के आधार पर पीछे बैठे युवक की पहचान अमर केवट के रूप में हुई, जो मृतक का दोस्त था। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर आरोपी अमर केवट ने बताया कि 11 मार्च को वह और करन चौधरी शराब पीने के लिए जंगल गए थे। वहां पुरानी रंजिश को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

नशे की हालत में अमर ने पास पड़े एक भारी पत्थर से करन के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी ले गया था बाइक : हत्या के बाद, आरोपी अमर केवट मृतक की पल्सर मोटरसाइकिल और मोबाइल लेकर फरार हो गया था। उसने बाइक और मोबाइल को कटनी के जंगलों में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद कर लिया है।

छतरपुर में लकड़ी काटने गए किसान पर टाइगर का हमला,कान काटा ग्रामीणों की आवाज सुनकर भागा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र के ग्राम कसार के पास स्थित मुड़िया पहाड़ के जंगल में सोमवार को बाघ के हमले से एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। किसान जंगल में लकड़ी काटने गया था, तभी झाड़ियों से निकलकर आए बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में किसान का कान कट गया और उसके शरीर पर कई गहरे घाव हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। शंकर की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने घायल किसान को जंगल से बाहर

निकाला और तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल किसान की पहचान शंकर रैकवार (60) निवासी ग्राम कसार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शंकर सोमवार को गांव से कुछ दूरी पर स्थित मुड़िया पहाड़ के जंगल में लकड़ी काटने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने पीछे से उस पर हमला कर दिया।

पीछे से हमला कर जमीन पर गिराया : घायल किसान ने बताया कि बाघ करीब 6 से 7 फीट लंबा और लगभग ढाई फीट ऊंचा था। उसने अचानक पीछे से हमला कर शंकर को जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद बाघ ने उसके हाथ, गर्दन, चेहरे और पीठ पर कई वार किए। हमले के दौरान बाघ ने उसका कान भी काट लिया। शंकर की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने घायल किसान को जंगल से बाहर निकाला और तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर : ग्रामीणों और परिजनों की मदद से शंकर को पहले नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना के समय गांव के ललित, बाबू रैकवार सहित चार अन्य ग्रामीण आसपास ही मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से इलाके के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही थी। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ की मौजूदगी की जांच कराने की मांग की है। वहीं वन विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

चलती वैन में आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जानदो महीने पहले ही खरीदी थी मारूती वैन

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में सोमवार दोपहर भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे 45 पर एक चलती मारुति वैन में भीषण आग लग गई। वैन में सवार तीन लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। यह घटना ग्राम पीपलबाली के पास हुई।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बाड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि वेन में सवार तीनों लोग सुरक्षित बाहर निकल आए और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, वेन पूरी जल गई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कार सवारों को बाहर निकालने में मदद की।

अवैध हथियार दिखाकर मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर में गौरिहार पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में देशी कट्टा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के गौरिहार थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर ग्राम कितपुरा में अवैध हथियार दिखाकर एक महिला और उसके परिजनों से मारपीट करने का आरोप है। ग्राम कितपुरा में उसे और उसके परिजनों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और धमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार : कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बुद्ध सिंह

राजपूत को गिरफ्तार कर लिया। बुद्ध सिंह राजपूत ग्राम कितपुरा, थाना गौरिहार निवासी राम आसरे राजपूत का पुत्र है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा और कुल्हाड़ी बरामद की गई।

पुलिस ने उसके पास से घटना में इस्तेमाल देशी कट्टा और कुल्हाड़ी भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गौरिहार थाने में फरियादिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम कितपुरा में उसे और उसके परिजनों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और धमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार : कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बुद्ध सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया।

बुद्ध सिंह राजपूत ग्राम कितपुरा, थाना गौरिहार निवासी राम आसरे राजपूत का पुत्र है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा और कुल्हाड़ी बरामद की गई। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। मिश्रा, शेरा सिंह और विकास सिंह सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सागर में ऑटो चालक पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार लिफ्ट नहीं देने से था नाराज

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की गोपालगंज थाना पुलिस ने ऑटो रिक्शा चालक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी अन्नू उर्फ अनिल पिता सत्यनारायण यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्वाली मोहल्ला गोपालगंज ने थाने में आकर शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि वह ऑटो रिक्शा चलाने का काम करता है। 13 मार्च की रात करीब 10.45 बजे वह ऑटो चलाकर घर जा रहा था। जब वह डिग्री कॉलेज के पास पहुंचा तो एक व्यक्ति ने उसका ऑटो रुकवाया। उसे आगे छोड़ने के लिए कहा लेकिन फरियादी ने मना कर दिया। इसी बात उसने स्वयं को अनिकेत अहिरवार निवासी ढाना बताते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। गालियां देते हुए अचानक धारदार हथियार

से हमला कर दिया। हमले के दौरान फरियादी की नाक, होंठ, दाहिने हाथ और बाएं हाथ की हथेली व अंगूलियों में गंभीर चोटे आई। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों के आने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल फरियादी को तत्काल डायल-112 पुलिस वाहन की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बीएमसी रैफर किया गया।

आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही पुलिस : घटना की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर रवाना की। टीम ने कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी अनिकेत अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रतलाम में अवैध 30 कमर्शियल सिलेंडर जब्त झाबुआ के पेटलावद से डिलीवरी के लिए आए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के रावटी में रविवार शाम अवैध रूप से लोडिंग वाहन में से 30 कमर्शियल सिलेंडर प्रशासन व पुलिस की टीम ने जप्त किए है। इनमें 21 भरे हुए है। जबकि 9 खाली है। यह सिलेंडर झाबुआ जिले के पेटलावद से रतलाम के रावटी में डिलीवरी के लिए आए थे। प्रशासन ने एलपीजी सिलेंडरों को अपने कब्जे में ले लिया है। सभी सिलेंडर पेटलावद के श्री राम एजेंसी (गौ-गेस) की लोंडिग से रावटी में आए थे। ग्रामीणों की सूचना पर तहसीलदार वंदना किराड़े, रावटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मोहित मेघवंशी भी पहुंचे। लोडिंग चालक से पूछताथ की तो वह सही जवाब नहीं दे पाया। तब अधिकारियों ने लोडिंग वाहन समेत सभी सिलेंडर को अपने कब्जे में लेकर पुलिस थाना

परिसर में लाए। इसके बाद सिलेंडर कों रावटी के गैस एजेंसी के गोदाम में सुरक्षा के हिसाब से रखे गए।

जप्त सिलेंडरों में 15 किलोग्राम के 20 सिलेंडर है, जिनमें 13 एलपीजी गैस से भरे हुए है व 7 खाली है। 19.2 किलोग्राम के 10 सिलेंडर है। जिनमें 8 गैस से भरे है। 2 खाली है। देर रात तक प्रशासन व पुलिस की टीम सिलेंडरों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। प्राथमिक जांच में सिलेंडर से पेटलावद से आने बताए जा रहे है। जिस गाड़ी में सिलेंडर थे वह पेटलावद की थी।

पेटलावद से गाड़ी में सिलेंडर रखवाए या कही अन्य जगह से। इसके अलावा किसे देने थे वह जांच की जा रही है। इसमें किसकी-किसकी क्या भूमिका जांच की जा रही है।

अब तक यहां हुई कार्रवाइ : बुधवार रात नामली में सर्विस सेंटर की आड़ में स्टोरेज कर रखे 31 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किए थे। जिनमें 22 गैस से भरे हुए थे। जबकि 9 खाली थे। मौके से गैस रिफलिंग का सामान भी मिला था। शुक्रवार रात धराड़ में पोल्ट्री फार्म से 64 कमर्शियल सिलेंडर मिले थे। जो एक कमरे में रखे हुए थे। हालांकि सभी सिलेंडर खाली थे। पोल्ट्री फार्म संचालक एक साथ इतने सिलेंडरों के बारे में कोई जानकारी व दस्तावेज नहीं उपलब्ध करा पाया था। पुलिस ने केस दर्ज किया था। शनिवार दोपहर रतलाम में घरेलू गैस ब्लैक में 2 हजार रुपए में बेचने पर की कार्रवाई की थी। मौके से लोडिंग वाहन चालक व हॉकर भाग गए थे।

सीहोर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्जदोपहर में सड़कें सूनी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में सोमवार को भीषण गर्मी का दौर जारी रहा। बीते 24 घंटे में यहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो रविवार के 36 डिग्री सेल्सियस से एक डिग्री अधिक है। मार्च माह के तीसरे सप्ताह की शुरुआत के साथ ही सूरज के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं। दोपहर के समय लोगों को तेज गर्मी का एहसास हो रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज धूप के कारण सड़कों पर आवाजाही और यातायात काफी कम देखने को मिल रहा है। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कें लगभग सूनी नजर आती हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए बाजार में गन्ने के रस और ककड़ी की दुकानें सज गई हैं। लोग इन दुकानों पर पहुंचकर भीषण गर्मी से कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं।

स्मृति मंधाना ने 5वीं बार जीता बेस्ट क्रिकेटर का अवॉर्ड

शुभमन गिल भी सम्मानित, जानें कितनी मिली प्राइज मनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा सालाना अवॉर्ड का आयोजन नई दिल्ली में 15 मार्च रविवार को हुआ। इस दौरान कई खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। वहीं भारत की सभी 6 आईसीसी ट्रॉफी विनिंग टीमें भी सम्मानित की गई। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और विश्व विजेता खिलाड़ी स्मृति मंधाना को साल की बेस्ट महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने पांचवीं बार यह अवॉर्ड जीता है। इसके अलावा भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को पॉली उमरीगर अवॉर्ड से नवाजा गया। यह अवॉर्ड साल के बेस्ट पुरुष इंटरनेशनल क्रिकेटर को मिलता है। इस साल भारतीय कप्तान को यह सम्मान मिला। शुभमन को बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यह अवॉर्ड दिया। वहीं स्मृति मंधाना को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह पुरस्कार दिया।

स्मृति और शुभमन को मिली कितनी प्राइज मनी?

स्मृति मंधाना को पांचवीं बार बीसीसीआई अवॉर्ड्स में साल की बेस्ट महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला। उन्हें यह अवॉर्ड साल 2024-25 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला। उन्हें इस अवॉर्ड में चमचमाती ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली। वहीं भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी यह अवॉर्ड साल 2024-25 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला। उन्हें भी इस अवॉर्ड में ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपये की प्राइज मनी मिली। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद गिल ने सभी भारतीय टीमों को आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लिए शुभकामनाएं दीं।

बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2024-25: यहां देखें विजेताओं की पूरी लिस्ट

- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 2024-25
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू, महिला – एन श्री चरणी
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू, – हर्षित राणा
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर 2024-25
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, महिला – स्मृति मंधाना

पॉली उमरीगर पुरस्कार

- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, पुरुष – शुभमन गिल
- लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार
- कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार – रोजर बिन्नी
- कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार – राहुल द्रविड़
- महिलाओं के लिए ध्रुष्टद्ध लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार – मिताली राज

रोहित शर्मा या सहवाग नहीं...

विराट कोहली ने इस खिलाड़ी को बताया टी20 फॉर्मेट का ऑलटाइम बेस्ट ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और लीग के पहले 20 मैचों का शेड्यूल भी आ गया है। इसी बीच सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के कैंप से भी जुड़ने लगे हैं। इसी क्रम में विराट को भी आरसीबी के साथ अपनी प्रैक्टिस शुरू कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी ने रविवार 15 मार्च को अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें विराट कोहली से टी20 के ऑलटाइम बेस्ट ओपनर को लेकर सवाल किए गए। विराट कोहली को इस सवाल-जवाब के क्रम में बीच-बीच में दो ऑप्शन दिए जा रहे थे। इसमें शुरुआत एडम गिलक्रिस्ट और सुनील नरेन के नाम से हुई। विराट को किसी दो में से एक नाम को बतौर बेस्ट टी20 ओपनर बताना था। इसमें अंत में वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा के भी नाम आए। सभी नामों के बाद अंत में विराट कोहली ने क्रिस गेल को टी20 फॉर्मेट का ऑलटाइम बेस्ट ओपनर चुना।

सचिन और सहवाग में कोहली ने वीरू को चुना- रैपिड फायर के इस राउंड में विराट से जब वीरेंद्र सहवाग और शेन वॉटसन, फाफ डु प्लेसिस, ब्रेंडन मैकुल्लम व शिखर धवन के नाम पूछे गए तो सभी ऑप्शन में कोहली ने सहवाग को बेस्ट ओपनर चुना। वहीं जब सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग का ऑप्शन आया तो विराट ने फिर भी सहवाग को चुना।

क्रिस गेल को विराट ने बताया बेस्ट टी20 ओपनर- इस राउंड के आखिरी में जब क्रिस गेल का नाम आता है तब उन्होंने सहवाग के आगे गेल का नाम लिया।

उसके बाद जब क्रिस गेल और रोहित शर्मा में से किसी एक को बतौर बेस्ट टी20 ओपनर चुनने की बात आई, वहां भी विराट ने गेल को बेस्ट टी20 ओपनर चुन लिया। इस तरह विराट कोहली के मुताबिक अंत में क्रिस गेल बेस्ट टी20 ओपनर बनकर निकले। क्रिस गेल के टी20 रिकॉर्ड निश्चित ही विध्वंसक हैं। उन्होंने अपने ओवरऑल टी20 करियर में 463 मैच खेलते हुए 455 पारियों में 14562 रन बनाए। उनका करियर स्ट्राइक रेट 150 का है जिसमें 88 अर्धशतक और 22 शतक भी शामिल हैं। गेल ने अपने टी20 करियर में 1056 छक्के लगाए हैं। यह रिकॉर्ड बताते हैं कि उन्हें टी20 क्रिकेट का क्यों महान बल्लेबाज या ओपनर कहा जाता है।

संजू सैमसन ने की वैभव सूर्यवंशी की मिमिक्री, बताया- IPL डेब्यू से पहले का किस्सा

'अगर हमें पहला मिला तो उड़ा देंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 15 मार्च को नई दिल्ली में सालाना अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सभी आईसीसी ट्रॉफी विनर भारतीय टीमें सम्मानित की गई। जिसमें अंडर 19 वर्ल्ड कप विनर भारतीय मेंस टीम और टी20 वर्ल्ड कप 2026 विनर भारतीय टीम के खिलाड़ी भी मौजूद थे। इस दौरान स्टेज पर हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी स्टेज पर आए और कई सारी बातें हुईं। इसी दौरान संजू ने वैभव की मिमिक्री करते हुए एक खास किस्सा सुनाया।

संजू सैमसन ने स्टेज पर मौजूद खिलाड़ियों के साथ वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू से पहले का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब डेब्यू से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वैभव से उनके गेम प्लान के बारे में पूछा तो 14 वर्षीय बल्लेबाज ने कैसे जवाब दिया। इसका किस्सा संजू ने वैभव की मिमिक्री करते हुए ही बताया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

संजू ने बताया वैभव और द्रविड़ की बातचीत का किस्सा- संजू सैमसन ने बताया, 'राहुल सर ने वैभव को बुलाया और पूछा कि क्या है तुम्हारा गेम प्लान? इसका जवाब देते हुए वैभव ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है सर हम तो खेलेंगे। फिर राहुल सर ने कहा क्या है गेम प्लान यह बताओ? तब वैभव बोले, हमें पहला मिला तो हम पहला ही उड़ा देंगे। और ठीक उसने ऐसा ही किया और हमने कहा कि यह अलग वीडियो गेम ही खेल रहा है।'

वैभव ने बताया अपनी पसंदीदा फिल्म का नाम: इसके अलावा इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने कई बातें बताईं। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में उन्होंने 2017 में पुणे सुपर जायंट्स और आरसीबी का मैच देखा था। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म धुरंधर है। साथ ही वैभव ने यह भी कहा कि वह क्रिस गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को टी20 क्रिकेट में तोड़ना चाहते हैं।

पाकिस्तान की फिर बेइज्जती

बांग्लादेश ने ODI सीरीज में 2-1 से हराया; सलमान आगा का शतक बेकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में किरकिरी करवाने के बाद जब पाकिस्तानी टीम ने अपनी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां शुरू कीं, तो उसमें भी अब सेंध लग गई। बांग्लादेश दौरे पर शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम को हार झेलनी पड़ी। मेजबान बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे मैच में 11 रन से हराया और सीरीज जीती।

इसी के साथ बांग्लादेश ने 2-1 से सीरीज पर कब्जा किया। इस मैच में पहले खेलते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 290 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम यह मुकाबला आखिरी तक ले गई लेकिन 11 रन से हार गई। बांग्लादेश के लिए 10 ओवर में 49 रन देकर चार विकेट लिए तस्किन अहमद ने और इस जीत के हीरो बने। तस्किन के आगे सलमान अली आगा की 106 रन की शतकीय पारी बेकार चली गई।

मुस्तफिजुर का जज्बा, रियाद का बेहतरीन आखिरी ओवर- अंत में कप्तान शाहीन अफरीदी ने 38 गेंद पर 37 रन की पारी खेलकर लड़ाई जरूर लड़ी लेकिन 49वें ओवर में मुस्तफिजुर की हिम्मत और 50वें ओवर में रिहाद हुसैन की कमाल की गेंदबाजी ने मैच को पाकिस्तान से दूर कर दिया। मुस्तफिजुर ने चोट के बावजूद 49वें ओवर की आखिरी गेंद डाली और हारिस रऊफ का विकेट लेकर पाकिस्तान को 9वां झटका दिया। उन्होंने 10 ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 14 रन की जरूरत थी। रियाद ने पहली दो गेंद पर अफरीदी को रन नहीं बनाने दिए। फिर तीसरी गेंद पर पाकिस्तानी कप्तान ने दो रन लिए और 3 गेंद पर बचे 12 रन। चौथी गेंद भी रियाद ने डॉट निकाल दी। फिर पांचवीं गेंद अंपायर ने वाइड दी लेकिन रिव्यू में यह भी वाइड नहीं थी और एक और डॉट निकल गई। आखिरी गेंद पर रियाद ने अफरीदी को आउट किया और बांग्लादेश को शानदार जीत दिला दी। इस ओवर से पहले रियाद हुसैन ने 6 ओवर में 54 रन दिए थे और 7वें ओवर में उन्होंने सिर्फ दो रन दिए और एक विकेट ले लिया।

कोहली-साल्ट ओपनर बेथेल पर फंस रहा पेंच

- AI ने चुनी SRH के खिलाफ मैच के लिए RCB की संभावित प्लेइंग 11

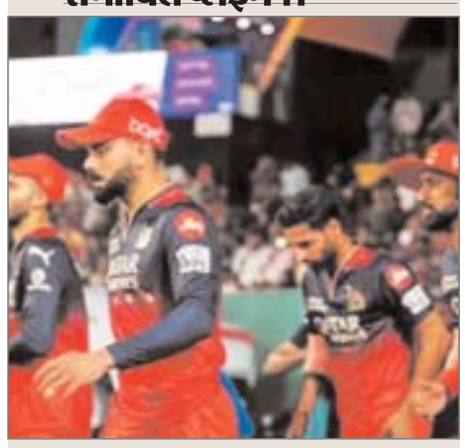

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में आरसीबी की टीम अपना पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के साथ खेलेगी। यह मैच टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच भी होगा। इस मैच के लिए डिफेंडिंग चैंपियन टीम की प्लेइंग 11 को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई। दरअसल टीम के चार विदेशी खिलाड़ियों पर पेंच फंसता दिख रहा है। टी20 वर्ल्ड कप के स्टार रहे जैकब बेथेल की जगह पर मामला फंसता दिख रहा है। इसी को लेकर अगर एआई का क्या सोचना है उस पर बात करें तो, गूगल जेमिनी, चैट जीपीटी और ग्रोक तीनों की प्लेइंग 11 में जैकब बेथेल की जगह पर मामला फंस रहा है। वहीं नंबर 3 के लिए सभी टीमों में देवदत्त पडिक्कल का नाम जरूर है। साथ ही तीनों टीमों में बेथेल की चार विदेशियों में जगह नहीं बन रही है। अब देखना होगा कि आरसीबी टीम मैनेजमेंट इस गुत्थी को कैसे सुलझाएगा, क्योंकि बेथेल जिस फॉर्म के साथ वर्ल्ड कप के बाद आएंगे, उन्हें बेंच पर बैठाना आसान नहीं होगा।

Google Gemini द्वारा चुनी गई आरसीबी की प्लेइंग 11

विराट कोहली, फिल साल्ट , देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल।

इम्पैक्ट प्लेयर: सुयश शर्मा/मंगेश यादव, वेंकटेश अय्यर

Chat GPT द्वारा चुनी गई आरसीबी की प्लेइंग 11

विराट कोहली, फिल साल्ट (विकेटकीपर) , देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), वेंकटेश अय्यर, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल।

इम्पैक्ट प्लेयर: जितेश शर्मा, सुयश शर्मा

नोट: जोश हेजलवुड के चोट के कारण पहले मैच में खेलने पर सस्पेंस है, और अगर वह नहीं खेले तो प्लेइंग 11 में बदलाव हो सकते हैं।

RCB के गेंदबाज पर दो बार लगे रेप के आरोप

अब गुपचुप कर ली शादी, जानें कौन हैं यश दयाल की पत्नी श्वेता पुंडीर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने 2026 के सीजन से पहले एक नई शुरुआत की है। उन्होंने अचानक शादी करके सभी को हैरान कर दिया है। यश ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से भी अपनी और अपनी पत्नी श्वेता की तस्वीर शेयर की थी। खास बात यह है कि पिछले साल उनके ऊपर दो बार रेप के आरोप भी लगे थे। अब उन्होंने एक प्राइवेट सेरेमनी में श्वेता के साथ सात फेरे लिए और शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। जानकारी के मुताबिक उनकी शादी 4 फरवरी को ही एक प्राइवेट समारोह में हो गई थी। इसमें उनके परिवार के लोग ही मौजूद थे। यश दयाल के ऊपर आरोप लगे थे कि उन्होंने जयपुर की 17 वर्षीय एक नाबालिग के साथ दो साल तक ब्लैकमेल करते हुए रेप किया।

इस मामले में जयपुर के सांगानेर सदर थाने में यश दयाल के ऊपर FIR दर्ज है। वहीं गाजियाबाद की भी एक महिला ने भी उनके ऊपर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया था। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा उन्हें फिलहाल जनवरी में उन्हें अग्रिम जमानत मिली और इस फैसले का भी श्वेता पुंडीर (उनकी पत्नी) ने स्वागत किया था। इसके बाद यश दयाल ने हाईकोर्ट में एक अलग याचिका भी दाखिल की थी। अब उन्होंने गुपचुप शादी कर ली और इसकी जानकारी उन्होंने खुद शेयर की। आइए अब जानते हैं कि कौन हैं उनकी पत्नी श्वेता पुंडीर।

कौन हैं श्वेता पुंडीर?

श्वेता पुंडीर एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और व्लॉगर हैं। श्वेता दिल्लीकी रहने वाली हैं। इंस्टाग्राम पर उनके तकरीबन 6 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इससे पहले इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स लीग में भी ब्रॉडकास्टर्स के साथ काम किया था। उनका सोशल मीडिया पर तगड़ा फैनबेस है। इंस्टा बायो के मुताबिक श्वेता खुद को एक आर्टिस्ट, कंटेंट क्रिएटर और व्लॉगर बताती हैं। यश दयाल अब आईपीएल 2026 में आरसीबी के लिए नजर उन्हें फ्रेंचाइजी ने इस सीजन के लिए 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। उन्होंने 2022 में अपना आईपीएल डेब्यू गुजरात टाइटंस के लिए किया था। उसके बाद 2023 में रिंकू सिंह ने उनके एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए थे और वह चर्चा में आए। फिर उस सीजन के बाद उन्होंने बेहतरीन वापसी की आरसीबी के लिए। फिर 2024 में उन्हें भारत और बांग्लादेश के बीच घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में पहली बार चुना गया लेकिन वह डेब्यू नहीं कर पाए।

सपनों को उड़ान देने जरूरत होती है साहस और संकल्प की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख नहीं, साहस और संकल्प की जरूरत होती है। इसी बात को सत्य साबित किया है छत्तीगसढ के धमतरी की एक साधारण लेकिन जुझारू युवती एनु ने, जो आज 'स्कूटी दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। संसाधनों की कमी, सामाजिक दबाव और सीमित अवसरों के बावजूद एनु ने न केवल आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई। एनु का जन्म एक सामान्य ग्रामीण परिवार में हुआ, जहाँ आर्थिक स्थिति सशक्त नहीं थी। परिवार में आय के सीमित स्रोत थे, और लड़कियों की शिक्षा को लेकर अब भी संकोच और संकीर्ण सोच (prevalent) थी। परन्तु एनु की सोच इससे बिल्कुल अलग थी। वे हमेशा कुछ नया करने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा रखती थीं। कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं के बीच भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी

रखी और अर्थशास्त्र में परास्नातक(Post Graduation inEconomics) की उपाधि हासिल की। यह उपलब्धि ही अपने आप में उनके संघर्ष और लगन का प्रतीक थी।

एनु का लक्ष्य केवल डिग्री लेनी ही मंज़िल नहीं थी। एनु जानती थीं कि केवल शिक्षा से रोजगार नहीं मिलेगा, जब तक उनके पास कोई कौशल न हो। इसी सोच के साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण ने उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला मजबूत कदम उठाने का अवसर दिया। लेकिन उनका सपना सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था।

एनु का अगला कदम था - मोबिलिटी यानी गतिशीलता की। वे चाहती थीं कि खुद स्कूटी चला सकें, ताकि गांव-गांव जाकर महिलाओं से मिलें, प्रशिक्षण दें और उनके जीवन को बदलने में योगदान दे सकें, लेकिन एक ग्रामीण युवती के लिए दोपहिया वाहन चलाना समाज के लिए असामान्य बात थी। इसके लिए उन्हें न केवल आत्मसंदेह से लड़ना पड़ा, बल्कि समाज की रूढ़िवादी सोच से भी लडना पडा। यही पर 'प्रथम संस्था' (PRATHAM Foundation) ने उन्हें स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण दिया। पहले-पहले जब उन्होंने स्कूटी की चाबी हाथ में ली, तो लोगों ने ताने दिए - 'लड़की होकर गाड़ी चलाएगी ', 'क्या ज़रूरत है इधर-उधर घूमने की ', लेकिन एनु अडिग रहीं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास के साथ इन बातों को अनसुना कर, प्रैक्टिस जारी रखी और जल्द ही स्कूटी चलाने में दक्ष हो गईं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास और कौशल दोनों बढ़ने लगे। अब वे गांवों में स्वतंत्र रूप से घूमने लगीं, महिलाओं से जुड़ीं, उन्हें मोटिवेट करने लगीं और अपनी यात्रा की कहानी सुनाकर उनमें भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने लगीं। यही वह मोड़ था जब उन्होंने तय किया कि अब वह खुद एक ड्राइविंग स्कूल शुरू करेंगी, ताकि अन्य महिलाओं को भी गाड़ी चलाना सिखा सकें। यह पहल ग्रामीण परिवेश में महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था। सन 2023 में एनु अपने सीमित संसाधनों के साथ 'महिला दोपहिया प्रशिक्षण केंद्र' की शुरुआत की। शुरू में केवल 2-3 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया, लेकिन जल्द ही यह संख्या बढ़ती चली गई। आज उनकी पहचान पूरे ब्लॉक और जिले में 'स्कूटी दीदी' के रूप में हो गई है। उन्होंने अब तक 30 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से कई महिलाएं अब स्वयं स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र या बैंक जैसी जगहों पर काम करने के लिए आत्मनिर्भर रूप से आने-जाने लगी हैं। एनु की यह पहल न केवल महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता लाई है, बल्कि सामाजिक सोच को भी बदला है। अब गांवों में लोग अपनी बेटियों और बहुओं को एनु के पास भेजते हैं, यह सीखने कि कैसे वे भी 'अपने सपनों की सवारी' कर सकती हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों ने उन्हें सम्मानित भी किया है। हाल ही में उन्हें जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। एनु का सपना है कि वे आने वाले वर्षों में 1000 महिलाओं को ड्राइविंग सिखाएं और इसके लिए वे जल्द ही चारपहिया ड्राइविंग स्कूल भी शुरू करने की योजना बना रही हैं। एनु का जीवन इस बात का प्रमाण है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उनकी कहानी हर उस महिला के लिए प्रेरणा है, जो समाज की जंजीरों को तोड़कर आगे बढ़ना चाहती है।

महतारी वंदन योजनाः गौरी अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने राशि का कर रही उपयोग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना से कई महिलाएं अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपने बच्चों के स्कूल फीस भुगतान आदि कार्यों में राशि का उपयोग कर रही है। इसी तारतम्य में मुंगेली जिले के विकासखंड लोरमी के ग्राम झाफल की गौरी राजपूत परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने का प्रयास कर रही हैं। गौरी राजपूत ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी पढ़ाई और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री जैसे पुस्तकों की खरीद में करती हैं। इससे उन्हें अपने भविष्य को बेहतर बनाने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि इस आर्थिक सहायता ने न केवल उनकी पढ़ाई में मदद की है बल्कि परिवार की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में भी सहारा दिया है। वे बताती हैं कि पहले आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई जारी रखना कठिन लग रहा था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली नियमित सहायता से आत्मविश्वास बढ़ा है और आगे बढ़ने का हौसला मिला है। गौरी राजपूत ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छोटी बचत से बड़ा कदम, महतारी वंदन योजना से शुरू हुआ अपना व्यवसाय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मातृशक्ति के सशक्तीकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लागू यह योजना महिलाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है। योजना के अंतर्गत प्रतिमाह प्राप्त होने वाली एक हजार रुपये की राशि महिलाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है और वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज में भी सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर रही हैं।

कोरबा जिले में भी महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर अपने जीवन को नई दिशा दे रही हैं। इन्हीं लाभार्थियों में से एक हैं कोरबा जिले के सीतामढ़ी क्षेत्र में रहने वाली कृष्णा कुर्रे। वो बताती हैं कि पहले परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए घर

से बाहर काम करने जाती थीं, लेकिन उनका मन हमेशा स्वयं का कोई काम शुरू करने का था। बाहर जाकर काम करना उन्हें सहज नहीं लगता था, ऐसे में अपने घर के पास ही कोई स्वरोजगार शुरू करने की इच्छा रखती थीं।

इसी दौरान राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत आवेदन किया और कुछ ही समय में उन्हें इसका लाभ मिलने लगा। योजना के तहत मिलने वाली राशि हर माह समय पर उनके बैंक खाते में जमा होने लगी। उन्होंने इस राशि को धीरे-धीरे बचाकर जमा करना शुरू किया। कुछ समय में जब उनके पास लगभग 12 से 15 हजार रुपये की राशि एकत्रित हो गई, तो उन्होंने उसी धनराशि से अपने घर पर ही ब्यूटी पार्लर शुरू करने का निर्णय लिया। आज वे अपने घर से ही यह कार्य संचालित कर रही हैं, जिससे उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ आय का स्रोत भी मिल गया है।

कुर्रे बताती हैं कि उनकी तीन बेटियां हैं और अब वे उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। पहले जहां कई आवश्यकताओं के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे स्वयं कमाकर अपने परिवार का सहयोग कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है और घर में खुशहाली आई है। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की इस योजना ने हम जैसी महिलाओं को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। आज हम अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी पा रहे हैं।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना से महिलाओं को घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिल रहा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। जशपुर जिला के ग्राम देवगुड़ा निवासी परमिला प्रजापति ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की राशि से अपने बच्चे की पढ़ाई और पोषण से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही वे घर की छोटी-छोटी जरूरतों को भी इसी राशि से पूरा कर लेती हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना से उन्हें आर्थिक संबल मिला है और अब वे स्वयं निर्णय लेती हैं कि इस राशि का उपयोग किस प्रकार करना है। परमिला प्रजापति ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

एमबीबीएस अंतर्गत पंजीयन या बिजली बिल भुगतान से जुड़ी प्रक्रिया के लिए होगा शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बिजली आज हमारी मूलभूत जरूरतों में शामिल हो चुकी है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। कई परिवार आर्थिक कारणों से समय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाते, जिससे सरचार्ज के कारण बकाया राशि बढ़ जाती है और पूरा भुगतान करना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने समाधान योजना शुरू की है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी ने उपभोक्ताओं से यह भी स्पष्ट किया कि पंजीयन राशि के भुगतान की सुविधा केवल मोर बिजली एप, एटीपी केंद्र और संबंधित विद्युत कार्यालय के माध्यम से ही उपलब्ध है। छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के नाम पर फैल रहे साइबर ठगी के प्रयासों से सतर्क रहें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि योजना के पंजीयन या बिजली बिल भुगतान से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया के लिए अनजान वॉट्सएप मैसेज, ई-मेल या एसएमएस में आए किसी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी एपीके फाइल को डाउनलोड करें। कई बार आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपभोक्ता बिजली बिल बकाया रह जाता है और समय के साथ उस पर बिजली बिल में अधिभार बढ़ता जाता है। उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार एकमुश्त भुगतान या किस्तों में भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को अपना पंजीयन कराना आवश्यक होगा। यह पंजीयन बिजली विभाग की वेबसाइट, मोबाइल एप या नजदीकी कार्यालय में जाकर कराया जा सकता है। छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह ने अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बकाया बिजली बिल का समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था को और अधिक मजबूत और व्यवस्थित बनाना है। पॉवर कंपनी के अनुसार वह अपनी किसी भी योजना अथवा सेवा के लिए उपभोक्ताओं को कोई एपीके फाइल या संदिग्ध वेब लिंक नहीं भेजती है। इसलिए यदि किसी संदेश में ऐसा लिंक या फाइल प्राप्त होती है तो उसे तुरंत नजरअंदाज करें। कंपनी ने बताया कि योजना की जानकारी और पंजीयन की सुविधा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए मैदानी स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि लोग सीधे अधिकृत माध्यम से लाभ प्राप्त कर सकें छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी ने उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे बिजली बिल या किसी अन्य शुल्क का भुगतान केवल 'मोर बिजली एप ', कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, एटीपी सेंटर या नजदीकी विद्युत कार्यालय में ही करें।

महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वावलंबन का नया सवेरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण अंचल की महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वावलंबन का नया सवेरा छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं ने लाया है। सरगुजा जिले के ग्राम गुमराकलां की रहने वाली नीरा साहू इसका जीवंत उदाहरण हैं। बिहान (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) और महतारी वंदन योजना के संगम ने उन्हें एक साधारण गृहिणी से एक सफल उद्यमी बना दिया है।

समूह से जुड़ाव और स्वरोजगार की शुरुआत : नीरा साहू बताती हैं कि उनकी सफलता की कहानी सरस्वती स्व-सहायता समूह से जुड़ने के साथ शुरू हुई। समूह के माध्यम से उन्होंने 17,000 का ऋण प्राप्त किया, जिसे उन्होंने अपनी छोटी सी दुकान में निवेश किया। धीरे-धीरे दुकान चल पड़ी और उनकी आय में वृद्धि होने लगी।

महतारी वंदन योजना का मिला संबलः नीरा के हौसलों को तब और उड़ान मिली जब उन्हें शासन की महतारी वंदन योजना का लाभ मिलना शुरू हुआ। उन्होंने इस सहायता राशि का सदुपयोग अपनी दुकान के विस्तार के लिए किया। आज वे न केवल अपनी दुकान का कुशलतापूर्वक संचालन कर रही हैं, बल्कि खेती-बाड़ी के कार्यों में भी हाथ बंटाकर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं।

बच्चों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्यः आर्थिक स्वतंत्रता का सबसे बड़ा प्रभाव उनके बच्चों की शिक्षा पर पड़ा है। नीरा अपने तीनों बच्चों को मॉडल स्कूल में पढ़ा रही हैं। उनका कहना है कि पहले वे केवल घर तक सीमित थीं, लेकिन अब वे पूरे आत्मविश्वास के साथ व्यवसाय और परिवार दोनों की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से बदली जयराम देवांगन की किस्मत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आदिवासी बहुल कोंडागांव जिले के विकासखंड कोंडागांव के ग्राम जरेबेंदरी निवासी कृषक जयराम देवांगन ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर मछली पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस योजना के माध्यम से उन्होंने अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

पूर्व में जयराम देवांगन पारंपरिक रूप से धान एवं मक्का की खेती करते थे, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये की आय ही प्राप्त होती थी। सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार नहीं हो पा

रहा था। वर्ष 2022-23 में उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत अपनी 1.40 हेक्टेयर भूमि में तालाब निर्माण का निर्णय लिया। इसके लिए लगभग 15.40 लाख रुपये की लागत से तालाब का निर्माण कराया गया, जिसमें शासन की ओर से उन्हें 6.16 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। तालाब निर्माण के बाद उन्होंने आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए मछली पालन के साथ-साथ मत्स्य बीज उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। नई तकनीकों और मेहनत के परिणामस्वरूप उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां पहले उन्हें खेती से लगभग 1 लाख रुपये की वार्षिक आय प्राप्त होती थी, वहीं अब मछली पालन के माध्यम से उन्हें लगभग 7 लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जो पहले की तुलना मंन लगभग छह गुना अधिक है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और आज वे आत्मनिर्भर बनकर अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हैं।

कृषक जयराम देवांगन ने शासन की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा जिला प्रशासन और मत्स्य विभाग के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

वनांचल की किस्मत बदलने वाली फसल साबित हुई इमली

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रसंस्करण समिति चितापुर की महिला समूह की दीदियों ने अपनी मेहनत और लगन के बूते यह सिद्ध कर दिया है कि यदि ग्रामीण संसाधनों का सही तरीके से प्रसंस्करण किया जाए, तो आर्थिक स्वावलंबन की राह आसान हो जाती है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित उत्पादक समूह आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति की दीदियों ने इमली के परंपरागत संग्रहण को एक आधुनिक और लाभप्रद व्यवसाय का रूप दे दिया है। समूह की इन महिलाओं द्वारा किए जा रहे इसी उत्कृष्ट और संगठित कार्य को पिछले दिनों राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में विशेष रूप से रेखांकित करते हुए उन्हें मंच पर सम्मानित किया गया।

बस्तर जिले के दरभा विकासखंड अंतर्गत सुदूर ग्राम तुआरास-चितापुर की महिलाओं ने अपनी मेहनत और नवाचार से इमली को वनांचल की किस्मत बदल देने वाली फसल साबित कर दिखाया है। इस समूह की

कार्यप्रणाली पूर्णतः पेशेवर और गुणवत्ता पर आधारित है, जहाँ महिलाएँ स्वयं इमली की खरीदी सुनिश्चित करती हैं। खरीदी के उपरांत समूह की सदस्य बड़ी ही कुशलता से इमली का रेशा और बीज निकालकर उसे पूरी तरह शुद्ध करती हैं। महिलाओं के इसी हुनर का परिणाम है कि आज वे साधारण इमली से उच्च गुणवत्ता वाला इमली फूल और विशेष रूप से इमली चपाती तैयार कर रही हैं, जिसकी बाजार में भारी मांग है।

आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति चितापुर की सदस्य पदमिनी कश्यप बताती हैं कि अब ग्राहकों की सुविधा और बाजार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन उत्पादों की 200 ग्राम, 500 ग्राम और 1000 ग्राम के आकर्षक पैकेटों में पैकेजिंग कर स्वयं इसका विक्रय भी संभाल रही हैं। बिहान योजना के माध्यम से एकजुट होकर इन महिलाओं ने न केवल अपनी आय में वृद्धि की है, बल्कि लखपति दीदी बनने की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाया है। कार्यक्रम में इन महिलाओं के अटूट परिश्रम और उद्यमशीलता की मुक्त कंठ से सराहना की गई, जो आज पूरे बस्तर संभाग के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई हैं। यह सम्मान दरभा की उन सैकड़ों महिलाओं के सामूहिक प्रयास की जीत है, जो अब आर्थिक रूप से सुदृढ़ होकर समाज की मुख्यधारा में अपना स्थान बना रही हैं।

जशप्योर स्टॉल को मिली सराहना, महुआ को सुपरफूड के रूप में मिली नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (TRTI), नवा रायपुर द्वारा 13-14 मार्च 2026 को आयोजित आदि परब-2026 कार्यक्रम From Tradition to Identity थीम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प और वन आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों, शोधकर्ताओं, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भाग लिया। इस आयोजन में जशपुर जिले के ब्रांड जशप्योर द्वारा भी स्टॉल लगाया गया, जिसे आगंतुकों, अधिकारियों और विशेषज्ञों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई। स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पादों की उच्च गुणवत्ता, पारंपरिक प्रसंस्करण पद्धति और प्रीमियम पैकेजिंग को लेकर लोगों ने विशेष रुचि दिखाई। स्टॉल का मुख्य आकर्षण महुआ आधारित उत्पाद रहे। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने महुआ के पारंपरिक उपयोगों के साथ-साथ उसे पोषण से भरपूर एक प्राकृतिक सुपरफूड के रूप में प्रस्तुत करने की पहल की सराहना की।

जय जंगल द्वारा महुआ को केवल

पारंपरिक मद्य से जोड़कर देखने की धारणा से बाहर निकालते हुए उसे स्वास्थ्य, पोषण और पारंपरिक खाद्य प्रणाली के रूप में स्थापित करने का प्रयास लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करता दिखाई दिया। जशप्योर, जशपुर जिले से शुरू हुई एक पहल है, जिसका उद्देश्य जंगल और जनजातीय समुदायों से जुड़े पारंपरिक खाद्य संसाधनों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा तक पहुँचाना है। यह पहल प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच से प्रेरित है जिसमें महुआ को केवल शराब तक सीमित न रखकर उसे पोषण, स्वास्थ्य और जनजातीय आजीविका के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है। आदि परब-2026 में जशप्योर का प्रतिनिधित्व अनिश्वरी भगत एवं प्रभा साय द्वारा किया गया, जिन्होंने आगंतुकों को उत्पादों की विशेषताओं, पारंपरिक प्रसंस्करण विधियों तथा महुआ के पोषण महत्व के बारे में जानकारी दी। स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और जशपुर से जुड़ी इस पहल की सराहना की। जशप्योर के माध्यम से महुआ, मिलेट्स और पारंपरिक रूप से संसाधित चावल जैसे उत्पादों को आधुनिक उपभोक्ताओं तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें जनजातीय महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पहल न केवल पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी सशक्त बना रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा